प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवर्टाइजिंग
unicomadvertising.com

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026—28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-173 | सांध्य दैनिक | मथुरा, मंगलवार, 18 अगस्त 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

ग्राम पंचायत विकास योजना फीडिंग में फरह अव्वल, छाता सबसे पीछे

495 ग्राम पंचायतों में से 369 की योजनाएं हुई अपलोड

ग्राम पंचायतों की लेट-लतीफी से निदेशालय ने बढ़ाई तिथि

यूनिक समय, मथुरा। ग्रामों के विकास के लिए कार्य योजना बनाने में जिले की 126 ग्राम पंचायतों ने कोई काम नहीं किया है। इन पंचायतों के प्रशासक और सचिव कार्य योजना अपलोड करने की अंतिम तिथि तक हाथ पर हाथ धरे बैठे रहे। ऐसे में अब पंचायत निदेशालय को एक बार फिर ग्राम पंचायत विकास योजना अपलोड करने के लिए तिथि बढ़ानी पड़ी है। अब ऐसी लापरवाह पंचायतें 31 अगस्त तक कार्य योजना अपलोड कर सकती हैं। यह अंतिम मौका हाथ से निकलने पर संबंधित सचिवों की गर्दन फंसेगी। ग्रामों के विकास के लिए ग्राम पंचायतें एक वित्तीय वर्ष के लिए कार्य योजना बनाकर अपलोड करती है। पूरे साल इसी कार्य योजना

के आधार पर विकास से जुड़े काम कराए जाते हैं। अब ग्राम पंचायत विकास योजना (जीपीडीपी) की कार्ययोजना फीडिंग में जिले के विकासखंडों की प्रगति सामने आई है। मंगलवार तक जिले की कुल 495 ग्राम पंचायतों में से 369 ग्राम पंचायतों की योजनाएं अपलोड की जा चुकी हैं। ऐसे में जिले की कुल प्रगति 74.5 प्रतिशत रही, जबकि अभी 126 ग्राम पंचायतों की योजनाएं अपलोड होना बाकी हैं।

प्रगति के मामले में फरह ब्लाक सबसे आगे है, यहां 55 ग्राम पंचायतों में से 49 की योजनाएं अपलोड हो चुकी हैं, केवल छह ग्राम पंचायतें शेष हैं। फरह की प्रगति 89.1 प्रतिशत दर्ज की गई है। दूसरे स्थान पर नंदगांव है, जहां 31 में से 27 ग्राम पंचायतों की योजनाएं अपलोड हुई हैं, प्रगति 87.1 प्रतिशत है। मथुरा ब्लाक 80.5 प्रतिशत प्रगति के साथ तीसरे स्थान पर है। यहां 41 में से 33 ग्राम पंचायतों की योजनाएं अपलोड हुई हैं, जबकि आठ पंचायतें शेष हैं। चौमुहां में 41 में से 32 योजनाएं अपलोड हुई हैं और प्रगति 78 प्रतिशत है। नौहझील 77.6 प्रतिशत के साथ पांचवें और मांट 76.7 प्रतिशत के साथ छठे स्थान पर है। मांट में 43 में से 33 योजनाएं अपलोड हुई हैं। गोवर्धन की प्रगति 75 प्रतिशत है। यहां 40 में से 30 ग्राम पंचायतों की योजनाएं अपलोड हो चुकी हैं। इसके बाद बलदेव में 70 प्रतिशत, राया में 61.9 प्रतिशत और छाता में 59.3 प्रतिशत प्रगति दर्ज हुई है। छाता ब्लाक जिले में सबसे पीछे है, यहां कुल 54 ग्राम पंचायतों में से 32 की योजनाएं अपलोड हुई हैं, जबकि 22 पंचायतों की फीडिंग बाकी है। इससे स्पष्ट है कि जिले में अभी 126 ग्राम पंचायतों की योजनाओं की फीडिंग लंबित है। डीपीआरओ धनंजय जायसवाल ने बताया कि पहले जीपीडीपी के लिए पंचायत निदेशालय की ओर से 15 अगस्त अंतिम तिथि तय थी, अब इस तिथि को बढ़ा दिया गया है। अब नई तक वंचित ग्राम पंचायतों को योजना अपलोड करनी होगी, इसमें लापरवाही पर संबंधित जिम्मेदार पर कार्रवाई की जाएगी।

यूपी का पानी चुराकर बेच रहे हैं राजस्थान के किसानों को

सिंचाई बंधु की बैठक में खुलासा, अधिकारियों को कार्रवाई के लिए निर्देश

माइनर, रजबहा की पटरियों और अंदर से अतिक्रमण हटाने के लिए करें काम

यूनिक समय, मथुरा। वर्षा कम होने से जिले में सूखे जैसे हालात हैं। किसानों को धान और दूसरी फसलों को बचाने के लिए सिंचाई के लिए पानी खरीदना पड़ रहा है। वहीं, राजस्थान में यूपी के पानी को चुराकर ऊंचे दामों पर बेचा जा रहा है। पानी चोरी की जानकारी पर अधिकारी और जनप्रतिनिधि भौंचक रह गए। अब सिंचाई बंधु के उपाध्यक्ष ने संबंधित अधिकारियों को पानी चोरी को कड़ाइ से रोकने के लिए काम करने को कहा है।

यह मामला मंगलवार को विकास भवन सभागार में आयोजित सिंचाई बंधु की बैठक में सामने आया। बैठक में आए किसानों ने बताया कि गोवर्धन तहसील के गांव बछगांव माइनर से पानी को राजस्थान तक पाइप डालकर चार किमी. दूर तक ले जाया जा रहा है। राजस्थान में ले जाए जा रहे इस पानी को वहां के किसानों को ऊंचे दामों पर बेचा जा रहा है, जिससे यूपी के किसानों को अपनी फसल के लिए पानी का संकट झेलना पड़ रहा है। पानी माफिया

मंगलवार को विकास भवन में हुई सिंचाई बंधु बैठक की अध्यक्षता करते सुधीर रावत, साथ हैं किसान और अधिकारी।

ने राजस्थान सीमा के कई किमी. दूर पानी ले जाने के लिए बंध भी लगा दिए हैं। वहीं, बैठक में माइनर- रजबहों की पटरी और अंदर अतिक्रमण का मुद्दा छाया रहा। किसानों ने बताया कि दबंग किसानों ने रजबहा- माइनरों के बीच से पानी के बहाव को रोक दिया है, जिससे पानी टेल तक नहीं पहुंच रहा है। बल्देव के गांव गढ़सौली में लोअर ब्रांच से निकले माइनर में किसानों पानी को रोक लिया है, जिससे टेल तक पानी नहीं आने से फसलें सूख रही हैं। पटरियों पर अवैध कब्जे होने से भी आगे जाने वाले किसान परेशान होते हैं। बैठक में रजबहा, माइनर और नालों की सफाई सही से नहीं होने का मुद्दा भी छाया रहा। बैठक में आलू किसानों की बदहाली का मुद्दा भी उठा, इस पर बैठक की अध्यक्षता कर रहे सिंचाई बंधु के उपाध्यक्ष सुधीर रावत ने डीएचओ से सरकार की ओर से ऐसे हालात में किसानों को मुआवजा देने की योजना का तहसील- ब्लाक और कोल्ड स्टोरेज पर प्रचार करने को कहा। बैठक के दौरान विधायक पूरन प्रकाश ने भी पटरियों पर अतिक्रमण होने समेत कई मामले रखे, अधिकारियों से किसानों से जुड़े प्रकरणों में तत्परता से काम करने को कहा। सिंचाई बंधु के उपाध्यक्ष सुधीर रावत ने बताया कि जिले में सूखे के हालात हैं। ऐसे में नहरी पानी किसानों की आवश्यकता है। बैठक में यूपी के पानी को राजस्थान में बेचने के प्रकरण आया, इस पर संबंधित अधिकारियों से बछगांव माइनर से राजस्थान तक डाली गई पाइप लाइन को हटाने, माइनर-रजबहा की पटरियों और मध्य से अतिक्रमण हटाने को कहा है। आलू मुआवजा से जुड़ी योजना का प्रचार करने को कहा है। बैठक में सिंचाई विभाग, उद्यान विभाग, विप्रा, प्रदूषण बोर्ड समेत कई विभागों के अधिकारी और काफी किसान मौजूद रहे।

स्कूली वाहनों पर सख्ती, 16 के चालान, छह वाहन निरुद्ध

यूनिक समय, मथुरा। परिवहन विभाग ने स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर चलाए जा रहे विशेष प्रवर्तन अभियान के तहत मंगलवार को जनपद में सघन चेकिंग अभियान चलाया। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) राजेश राजपूत के निर्देशन में विभिन्न स्कूली बसों, वैन और निजी वाहनों की फिटनेस, परमिट, प्राथमिक उपचार बॉक्स, अग्निशमन यंत्र और चालकों के दस्तावेजों की जांच की गई।

मांट तहसील के ग्रामीण क्षेत्रों में कार्रवाई के दौरान चार निजी ईको वाहन, जिनसे स्कूली बच्चों को लाया-ले जाया जा रहा था, बिना वैध प्रपत्रों के संचालित एक स्कूल बस को थाने में निरुद्ध किया गया। प्रवर्तन दलों ने कुल 16 वाहनों के चालान किए और छह स्कूली वाहनों को निरुद्ध किया। इसके अलावा चार ट्रैक्टर और एक ओवरलोड वाहन को भी शेरगढ़ थाना और राया में निरुद्ध किया गया। फिटनेस और परमिट नहीं कराने वाले 16 स्कूली वाहनों के पंजीयन निरस्त करने की कार्रवाई भी की गई।

राजेश राजपूत ने विद्यालय प्रबंधकों और प्रधानाचार्यों को चेतावनी दी कि निर्धारित अवधि में फिटनेस-परमिट नवीनीकरण नहीं कराने पर मोटर यान अधिनियम के तहत पंजीयन निलंबित किया जाएगा। अभिभावकों से भी ई-रिक्शा, वैन और ऑटो से बच्चों को स्कूल न भेजने और बस के फिटनेस, परमिट और चालक के लाइसेंस की जांच करने की अपील की गई।

रक्षाबंधन पर सोगरिया-मथुरा और कोटा-हजरत निजामुद्दीन के बीच चलेंगी स्पेशल ट्रेनें

यूनिक समय, मथुरा। रक्षाबंधन त्योहार पर यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे ने सोगरिया-मथुरा-सोगरिया और कोटा-हजरत निजामुद्दीन-कोटा के बीच स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएगी। गाड़ी संख्या 02921/02922 सोगरिया-मथुरा-सोगरिया सुपरफास्ट स्पेशल का संचालन 24 से 30 अगस्त तक दोनों दिशाओं में सात-सात फेरों के लिए होगा। गाड़ी संख्या 02921 सोगरिया से सुबह 8:30 बजे रवाना होकर दोपहर 2:10 बजे मथुरा जंक्शन पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी संख्या 02922 मथुरा जंक्शन से दोपहर 3:30 बजे रवाना होकर रात 9:20 बजे सोगरिया पहुंचेगी। इसी तरह गाड़ी संख्या 09803/09804 कोटा-हजरत निजामुद्दीन-कोटा एक्सप्रेस स्पेशल का संचालन किया जाएगा। गाड़ी संख्या 09803 कोटा से 22 और 26 अगस्त को रात 10:15 बजे रवाना होकर अगले दिन सुबह 7 बजे हजरत निजामुद्दीन पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी संख्या 09804 हजरत निजामुद्दीन से 23 और 27 अगस्त को सुबह 9 बजे रवाना होकर शाम 7:35 बजे कोटा पहुंचेगी। रेलवे ने यात्रियों से यात्रा से पहले ट्रेन के समय, संचालन और ठहराव की जानकारी रेलवे वेबसाइट या एनटीईएस मोबाइल ऐप से ले सकते है।

20 दिन में चीनी 16 रुपये किलो महंगी, चाय के भाव भी बढ़े

चीनी के दामों में उछाल से बिगड़ा रसोई बजट

मैदा और तेल की बढ़ती कीमतों ने बढ़ाया गृहस्थी का खर्च

यूनिक समय, मथुरा। महंगाई की मार झेल रहे लोगों के लिए सुबह की चाय की चुस्की भी अब महंगी पड़ने लगी है। पिछले करीब 20 दिनों में चीनी के दाम में 15 रुपये प्रति किलो तक का इजाफा हुआ है। वहीं, चाय की कीमत भी 40 से 50 रुपये किलो बढ़ गई है। अचानक बढ़े दामों से आम आदमी की रसोई का बजट प्रभावित होने लगा है। त्योहारी सीजन में चीनी, मैदा और तेल की बढ़ती

कीमतों ने गृहस्थी का खर्च और बढ़ा दिया है। करीब 20 दिन पहले फुटकर बाजार में चीनी 45 रुपये किलो बिक रही थी। इसके बाद कीमत बढ़कर 48 रुपये किलो हुई और दो-चार दिन में 50 रुपये के स्तर को पार कर गई। अब मंगलवार को थोक बाजार में फुटकर दुकानदारों को चीनी करीब 61.50 रुपये किलो खरीदनी पड़ी। इसके चलते उपभोक्ताओं को दुकानों पर 64 रुपये किलो तक चीनी खरीदनी पड़ रही है। दुकानदारों का आरोप है कि चीनी की कीमतों में अचानक आए उछाल के पीछे जमाखोरी भी एक कारण हो सकती है। उनका कहना है कि जिले में गोदामों में करीब 50 से 60 ट्रक चीनी मौजूद होने के बावजूद लगातार भाव बढ़ रहे हैं। इससे बाजार में आपूर्ति और कीमतों को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं।

चाय, तेल और मैदा भी हुए महंगे

चीनी के साथ चाय के दाम में भी तेजी आई है। हाल ही में चाय की कीमत करीब 40 से 50 रुपये किलो तक बढ़ने की बात सामने आई है। इसके अलावा सरसों के तेल में 10 रुपये प्रति लीटर और मैदा के दाम में करीब 200 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी हुई है। त्योहारी मौसम में इन वस्तुओं की खपत बढ़ने के कारण महंगाई का सीधा असर घरेलू बजट पर पड़ रहा है। खुला सरसों का तेल अब दुकानों पर 180 रुपये किलो बिक रहा है।

रक्षाबंधन की महक से गुलजार हुए बाजार, राखियों की बढ़ी खरीदारी

होलीगेट स्थित राखी की दुकान पर नई–नई डिजायनों की सजी राखियां ।

नई डिजाइनों ने बहनों को लुभाया

बच्चों के लिए डोरेमोन और लॉलीपॉप राखियां बनीं पसंद

यूनिक समय, मथुरा। रक्षाबंधन का त्योहार नजदीक आते ही कान्हा की नगरी में इसकी महक दिखाई देने लगी है। शहर से लेकर कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों तक बाजार राखियों से सजने लगे हैं। बहनें अपने भाइयों की कलाई सजाने के लिए पसंदीदा राखियों की खरीदारी करने बाजार पहुंच रही हैं।

दुकानों पर रंग–बिरंगी और नई डिजाइनों की राखियां लोगों को आकर्षित कर रही हैं। बच्चों के लिए आईं कार्टून और आकर्षक डिजाइन वाली राखियां भी खूब पसंद की जा रही हैं। होली गेट क्षेत्र में राखियों की दुकान चलाने वाले दुकानदार सरदार गुरुमीत सिंह ने बताया कि पिछले साल की तुलना में इस बार बाजार में कई नई डिजाइन की राखियां आई हैं। खासकर बच्चों के लिए डोरीमोन और लॉलीपॉप डिजाइन की राखियां आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। इनकी कीमत करीब 50 रुपये प्रति पीस है। वहीं 'मेरा भारत महान' डिजाइन की राखियां 10 से 20 रुपये तक में बिक रही हैं।

दुकानदार के अनुसार, भगवान कृष्ण की डिजाइन वाली राखी करीब 40 रुपये प्रति पीस है, जबकि एडी डिजाइन की राखियां 50 रुपये से लेकर 500 रुपये तक की हैं। महंगी राखियां बहनों की खूब पसंद बन रही है। 500 रुपये वाली एडी राखी के सेट में दो राखियां मिल रही हैं। इनमें एक भाई के लिए और दूसरी भाभी के लिए है। ऐसे में बहनें भाई के साथ भाभी की कलाई सजाने के लिए भी इन राखियों की खरीदारी कर रही हैं। दुकानदार ने बताया कि राखियों की कीमत डिजाइन और गुणवत्ता के हिसाब से अलग–अलग है। सबसे सस्ती राखियां थोक में करीब छह रुपये दर्जन से शुरू हैं। वहीं बाजार में आकर्षक डिजाइनों वाली राखियों की कीमत कई सौ रुपये तक पहुंच रही है। इस बार ग्राहकों को लुभाने के लिए दुकानदारों ने पहले से ही विभिन्न डिजाइन और रेंज की राखियां बिक रहीं है।

बांकेबिहारी को भैया मानने वाली बहनें भेजने लगी राखियां

डाक से आने वाली राखियों के साथ आए मार्मिक शब्दों के पत्र

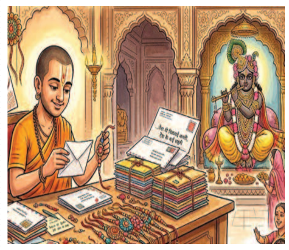

यूनिक समय, वृंदावन। ठाकुर बांकेबिहारी को भैया मानने वाली बहनों ने रक्षाबंधन पर राखियां भेजना शुरु कर दिया है। देश के कई शहरों में रहने वाली महिलाएं ठाकुर बांकेबिहारी को भैया स्वरुप में मानती है। इसलिए वह हर साल रक्षाबंधन पर राखियां भेजती हैं। वह राखियां डाक के माध्यम से बांकेबिहारी मंदिर के कार्यालय पहुंच रही है। राखियों के साथ मार्मिक शब्दों में पत्र भी लिखा है। वह अपने भाई ठाकुर बांकेबिहारी से अपनी लाज रखने की प्रार्थना करतीं हैं। लिखती है कि भैया राखी की लाज रखना। इन सभी राखियों को रक्षाबंधन वाले दिन ठाकुर बांकेबिहारी को समर्पित किया जाएगा। डाक से आने वाली राखियों के अलावा अनेक महिलाएं तो रक्षाबंधन को मंदिर पहुंचेगी और राखियां ठाकुर बांकेबिहारी को समर्पित करेंगी। जानकारी के अनुसार, इन महिलाओं में कई तो ऐसी भी है कि उनके कोई भैया नहीं है। इस कारण ठाकुर बांकेबिहारी को भी भैया मानती है। ऐसी बहनों को भरोसा और विश्वास रहता है कि उनके भैया ठाकुर बांकेबिहारी किसी न किसी रुप में आकर अपना फर्ज निभाकर चले जाते हैं। इस बात का अहसास होता रहता है।

जन्माष्टमी की तैयारियों को लेकर नगर आयुक्त ने की समीक्षा

जन्माष्टमी की तैयारियों की समीक्षा बैठक करते नगर आयुक्त ओजस्वी राज।

25 अगस्त तक भंडारा संचालकों का पंजीकरण कराने के निर्देश

यूनिक समय, मथुरा। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महापर्व पर उमड़ने वाली लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए नगर निगम ने तैयारियां तेज कर दी हैं। नगर आयुक्त ओजस्वी राज ने मंगलवार को नगर निगम कार्यालय में विभागाध्यक्षों के साथ समीक्षा बैठक कर तैयारियों की जानकारी ली और सभी व्यवस्थाएं समय से पूरा कराने के निर्देश दिए।

नगर आयुक्त ने सफाई, सड़क मरम्मत, थीम आधारित वॉल पेंटिंग, फसाड लाइटिंग, पेयजल, मोबाइल शौचालय, पार्किंग, ट्रैफिक, मंदिरों के आसपास सफाई, अतिक्रमण हटाने, निराश्रित गोवंश प्रबंधन, चिकित्सा सुविधा, खोया–पाया केंद्र और 24 घंटे कंट्रोल रूम समेत विभिन्न व्यवस्थाओं की समीक्षा की। मुख्य कर निर्धारण अधिकारी से भंडारा संचालकों के पंजीकरण की जानकारी लेने पर कम पंजीकरण सामने आने पर नगर आयुक्त ने नाराजगी जताते हुए 25 अगस्त तक सभी भंडारा आयोजकों का अनिवार्य पंजीकरण कराने के निर्देश दिए।

मुख्य अभियंता संजय सिंह को श्रीकृष्ण लीला पर आधारित वॉल पेंटिंग और प्रमुख सड़कों की पेच मरम्मत का काम समय से पहले पूरा कराने को कहा गया। वहीं विद्युत-यांत्रिक अनुभाग को हाईमास्ट, सेमी हाईमास्ट, मिनी हाईमास्ट और स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत कर सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। महाप्रबंधक (जल) मोहम्मद अनवर ख्वाजा को जलभराव और पाइपलाइन लीकेज रोकने के साथ पर्याप्त प्याऊ पेयजल टैंकर और मोबाइल शौचालय की व्यवस्था कराने को कहा गया।

बैठक में अपर नगर आयुक्त सौरभ सिंह, अपर नगर आयुक्त सुनीता कुमारी, सहायक नगर आयुक्त नीरज शर्मा, सहायक नगर आयुक्त अनुज कौशिक, मुख्य अभियंता (निर्माण) संजय सिंह, मुख्य कर निर्धारण अधिकारी नरेंद्र कुमार, पशु कल्याण अधिकारी संतोष पाल, क्षेत्रीय सफाई निरीक्षक महेश चंद्र और अवर अभियंता (विद्युत/यांत्रिक) शैलेश कुमार समेत संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

सपा नेताओं ने चीनी मिल चालू कराने को लेकर दिया ज्ञापन

यूनिक समय,छाता। छाता स्थित चीनी मिल को दोबारा चालू करने की मांग को लेकर चल रहे धरने को समाजवादी पार्टी का समर्थन मिला है। सपा नेता लोकमणिकांत के नेतृत्व में बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने चीनी मिल पर एसडीएम अखिलेश को राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन सौंपने के दौरान सपा नेता लोकमणिकांत ने प्रदेश सरकार और स्थानीय नेतृत्व पर तीखा हमला बोला। उन्होंने स्पष्ट कहा कि यदि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ छाता चीनी मिल के दोबारा शिलान्यास या उद्घाटन के लिए आते हैं, तो पार्टी के कार्यकर्ता उनका डटकर विरोध करेंगे। सपा कार्यकर्ताओं ने किसानों के हक में नारेबाजी की और धरना दे रहे भूतपूर्व सैनिक को समर्थन दिया।

बिजली चोरी के खिलाफ अभियान, 61 मामलों में एफआईआर

जिले के कई क्षेत्रों में चेकिंग के दौरान 142 किलोवाट की बिजली चोरी पकड़ी गई

बिजली चोरी करने के खिलाफ चलाए गए अभियान में मौजूद टीम।

यूनिक समय, मथुरा। विद्युत चोरी पर रोक लगाने और लाइन लॉस कम करने के लिए दक्षिणांचल विद्युत के अधिकारियों ने मंगलवार को जनपद में चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान अलग–अलग क्षेत्रों में बिजली कनेक्शन, मीटर, सर्विस केबल और विद्युत लाइनों की जांच की गई। इस दौरान बिजली चोरी के 61 मामले पकड़े गए, जिनमें 142 किलोवाट का विद्युत भार चोरी के रूप में पाया गया।

अधिशासी अभियंता आशीष गुप्ता के नेतृत्व में नरसी विहार, गोपाल धाम और महेंद्र नगर में सघन चेकिंग की गई। सहायक अभियंता शुभम अग्रवाल और अवर अभियंता राकेश यादव समेत विभागीय टीम ने कार्रवाई करते हुए बिजली चोरी के 10 मामले पकड़े। इनमें 38 किलोवाट का भार चोरी की बिजली करते पकड़ा गया। विजिलेंस टीम के साथ माधुरी कुंड क्षेत्र में भी अभियान चलाया गया। एसडीओ मनीष बंसल, विजिलेंस प्रभारी अरुण कुमार और अवर अभियंता सुशील कुमार के नेतृत्व में हुई जांच में बिजली चोरी के 10 मामले पकड़े गए। इनमें 29 किलोवाट का भार चोरी में पाया गया। राया टाउन, टेंटिगांव, मनागढ़ी, साइट–बी, बठेंन और चौमुहां क्षेत्रों में भी विशेष चेकिंग की गई। अभियान में पकड़े गए सभी 61 मामलों में एफआईआर दर्ज कराई गई।

जन्मभूमि की जमीन नहीं देंगे समझौते का सवाल नहीं

तीसरी वार्ता में मुस्लिम पक्ष रहा अनुपस्थित हिंदू पक्ष ने दर्ज कराई आपत्ति

अधिवक्ता महेंद्र प्रताप सिंह।

यूनिक समय, मथुरा। श्रीकृष्ण जन्मभूमि–शाही ईदगाह मस्जिद प्रकरण में मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर विशेष लोक अदालत में समझौता वार्ता का तीसरा प्रयास किया गया। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश अनिल कुमार यादव (द्वितीय) की लोक अदालत में हुई कार्रवाई के दौरान मुस्लिम पक्ष उपस्थित नहीं हुआ, जबकि हिंदू पक्षकारों ने अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। मुस्लिम पक्ष की अनुपस्थिति के चलते समझौता वार्ता की पत्रावली को निस्तारित कर दिया गया। अगली समझौता वार्ता के लिए 21, 22 या 23 अगस्त में से किसी एक तिथि का प्रस्ताव सुप्रीम कोर्ट के समक्ष है। हिंदू पक्षकार अधिवक्ता महेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि विवादित भूमि को लेकर उनका पक्ष स्पष्ट है। उन्होंने कहा कि श्रीकृष्ण जन्मभूमि की करीब ढाई एकड़ भूमि को वे भगवान श्रीकृष्ण की जन्मभूमि मानते हैं और इसके बदले किसी अन्य स्थान पर जमीन स्वीकार करने का प्रश्न नहीं है। उनके अनुसार, भूमि के बदले दूसरी भूमि देने से विवाद का न्यायपूर्ण समाधान नहीं हो सकता।

महेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि मुस्लिम पक्ष का लगातार वार्ता में अनुपस्थित रहना मामले को लंबित रखने जैसा है। उन्होंने बताया कि पहली लोक अदालत में मुस्लिम पक्ष उपस्थित नहीं हुआ था। दूसरी वार्ता में दोनों पक्ष पहुंचे थे, लेकिन बातचीत से सहमति नहीं बन सकी। मंगलवार को तीसरी वार्ता में भी मुस्लिम पक्ष की अनुपस्थिति रही।

न्यायालय में मजबूती से पक्ष रखने की बात

हिंदू पक्षकार ने कहा कि उनका उद्देश्य न्यायालय के माध्यम से विवाद का समाधान कराना है। उन्होंने कहा कि समझौते के वे विरोधी नहीं हैं, लेकिन समझौता न्याय और अधिकार के आधार पर होना चाहिए। श्रीकृष्ण जन्मभूमि से जुड़ी भूमि के बदले किसी अन्य स्थान पर जमीन देने का प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐतिहासिक घटनाओं के दौरान मंदिर को क्षति पहुंचाकर वहां निर्माण किया गया था। इसी दावे से जुड़े विवाद के समाधान के लिए हिंदू पक्ष लंबे समय से न्यायालय में कानूनी लड़ाई लड़ रहा है। इस दौरान अधिवक्ता अजय प्रताप सिंह, दिनेश फलाहारी, महेश खंडेलवाल, कपिल शर्मा, विजय बहादुर सिंह, हेराम त्रिपाठी, प्रदीप श्रीवास्तव सहित अन्य हिंदू पक्षकार मौजूद रहे।

अपनों को दें घर बैठे
भावपूर्ण श्रद्धांजलि
• शोक संदेश • पुण्यतिथि • उठावनी
साइज-8x10 मात्र-₹1000/-*
(कलर)
यूनिक समय
अब डिजिटल अपनाओ
मोबाइल से घर बैठे बुक कराओ
कॉल करें-9837115157
www.uniquesamay.com

जांच अधिकारी अब लिखेंगे गवाह के हूबहू शब्द

अपने तरीके से नहीं लिखाएंगे गवाहों के बयान

ऐसा नहीं करने पर होगी आईओ पर कार्रवाई

यूनिक समय, मथुरा। किसी भी मुकदमे की जांच करने वाला जांच अधिकारी (आईओ) अब संबंधित गवाह के मुंह में अपनी आवाज नहीं डाल पाएंगे। अब उसे वही बयान लिखना होगा जो गवाह बताएगा। इस मामले में अगर आईओ ने लापरवाही की तो उसे इसका खामियाजा भी भुगतना पड़ेगा।

किसी भी अपराधिक मुकदमे की विवेचना करने वाला आईओ गवाह का बयान अपने तरीके से लिख कर कोर्ट में पेश कर देता था। गवाह को बयानों के बारे में जानकारी तक नहीं होती थी। कोर्ट में जब मुकदमे की सुनवाई होती और गवाह को उसमें गवाही देनी होती तो उसको मालूम नहीं होता कि उसने पहले गवाही क्या दी है। गवाह को सरकारी वकील और आईओ बताते थे कि उसे गवाही में क्या कहना है। पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण ने इस मामले में सभी एसएसपी और पुलिस कमिशनरों को निर्देश दिए हैं कि मुकदमे के गवाहों को उनके द्वारा दिए गए बयान को हूबहू लिखा जाए। इसके साथ ही आईओ को उसमें किसी तरह का बयान गवाह से इस तरह नहीं दिलाना होगा, जो मुकदमे की स्थिति को प्रभावित करे। अगर इस तरह का कोई मामला सामने आएगा और इस तरह की शिकायत मिली कि आईओ ने गवाह को बयान देने के लिए दबाव दिया गया है तो इस तरह के मामलों में मुकदमे के आईओ के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस महा निदेशक के इस आदेश के बाद मुकदमों की विवेचना करने वाले जांच अधिकारी मामलों में सतर्कता बरत रहे हैं।

केजेएस की सुरक्षा को लेकर हाईपावर कमेटी की बैठक

सुरक्षा इंतजाम और मजबूत करने के निर्देश

सुरक्षा व्यवस्था का अधिकारियों ने लिया जायजा

केजेएस की सुरक्षा का निरीक्षण करते महा निदेशक सुरक्षा अमरेंद्र कुमार और अन्य वरिष्ठ अधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। श्रीकृष्ण जन्मस्थान–शाही ईदगाह परिसर की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर मंगलवार को हाईपावर कमेटी की बैठक हुई। बैठक में पुलिस महानिदेशक सुरक्षा अमरेंद्र कुमार और अपर पुलिस महानिदेशक आईबी विनीत शर्मा ने अधिकारियों के साथ सुरक्षा इंतजामों की समीक्षा की। डीएम चंद्र प्रकाश सिंह और एसएसपी श्लोक कुमार भी बैठक में मौजूद रहे।

हाईपावर कमेटी के सदस्यों ने श्रीकृष्ण जन्मस्थान और शाही ईदगाह मस्जिद परिसर में सुरक्षा व्यवस्था का बारीकी से जायजा लिया।

अधिकारियों ने दोनों महत्वपूर्ण स्थलों पर तैनात सुरक्षा बल, निगरानी व्यवस्था और अन्य सुरक्षा इंतजामों की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान सुरक्षा व्यवस्था में संभावित कमियों को चिन्हित करते हुए उन्हें दूर करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में अधिकारियों ने सुरक्षा व्यवस्था को और प्रभावी बनाने, सतर्कता बढ़ाने और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयारियों को मजबूत रखने पर जोर दिया। संबंधित अधिकारियों को निर्धारित सुरक्षा मानकों के अनुसार व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में अपर पुलिस महानिदेशक आगरा जोन सुवेंद्र कुमार भगत, अपर पुलिस महानिरीक्षक आगरा जोन प्रकाश चंद, पुलिस महानिरीक्षक आगरा अनिल कुमार, सीआरपीएफ के अधिकारी सत्येंद्र कुमार, पुलिस उपमहानिरीक्षक पीएसी आगरा अरविंद कुमार चौबे, एसपी सुरक्षा राजकुमार, उप सचिव सांप्रदायिकता नियंत्रण प्रकोष्ठ गृह विभाग नितिन कुमार, सीआरपीएफ के सहायक अधिकारी, नगर आयुक्त ओजस्वी राज, एमवीडीए की उपाध्यक्ष लक्ष्मी, सीओ सिटी आशना चौधरी और अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

लालपुर नहर में मिला अज्ञात शव

यूनिक समय, मगोर्रा। थाना मगोर्रा क्षेत्र स्थित लालपुर नहर में बह रहे एक अज्ञात व्यक्ति के शव की जानकारी पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को काफी मशक्कत के बाद बाहर निकाला। शव की शिनाख्त नहीं हो सकी है।

बताया गया कि लालपुर नहर में एक व्यक्ति के बहते शव को देख ग्रामीणों ने पुलिस को इस बारे में सूचना दी। सीओ गोवर्धन अनिल कुमार सिंह और थाना प्रभारी अजय सिंह पुलिस फोर्स के साथ लालपुर नहर पर पहुंचे। पुलिस ने शव को निकालने के प्रयास किए। पानी के बहाव और अन्य तरह की समस्या के चलते पुलिस को शव निकालने में काफी दिक्कत का सामना करना पड़ा। इसके बाद पुलिस ने शव को निकालने के बाद पंचनामा कर पोस्टमार्टम ग्रह भेज दिया। काफी प्रयास के बाद भी शव की शिनाख्त नहीं हो सकी है। पुलिस शव की शिनाख्त कराने के प्रयास कर रही है।

विद्युत खंभा पहुंचा जर्जर हालात में

यूनिक समय, वृंदावन। मंदिरों की नगरी के कई क्षेत्रों में लगे विद्युत खंभा जर्जर हालात में दिखाई दे रहे हैं। हालात यह हो गई कि जमीन से ऊपर लटक गए हैं। इस कारण हमेशा यह आशंका बनी रहती है कि कहीं तारों के आपस में भिड़ने से चिंगारी भयावह रुप धारण न कर लें। रंगजी मंदिर क्षेत्र में 11हजार केवी लाइन का खंभा टूटकर अलग होकर लटक गया है और ऊपर से दूसरे खंभा पर टिका है। लोगों को यह आशंका दिखाई दे रही है कि यदि टूटे खंभा को जल्द न बदला गया तो कभी तार में आपस में भिड़ सकते हैं और आग की चिंगारियां निकल पड़ेगी। परिणाम यह होगा कि कोई बड़ा हादसा होने से इंकार भी नहीं किया जा सकता है।

अधेड़ ने फांसी लगा गंवाई जान

यूनिक समय, मथुरा। थाना रिफाइनरी की राजपाल नगर कॉलोनी में एक व्यक्ति ने घर में फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली। घटना का पता लगने पर परिवार में कोहराम मच गया। आत्महत्या किस कारण से की, इस बात का पता नहीं लग सका है।

थाना रिफाइनरी की राजपाल नगर कॉलोनी में रहने वाले रामवीर (50) ने बीती रात घर के अंदर कमरे में फांसी लगा ली। परिवार के लोगों ने मंगलवार प्रातः राजवीर के शव को फांसी के फंदे पर लटका देखा तो हड़कंप मच गया। परिवार के लोगों के अलावा राजवीर द्वारा फांसी लगाए जाने की जानकारी मिलते ही आस–पास के लोग वहां एकत्रित हो गए। पुलिस को भी इस बारे में सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को उतरवाने के बाद पंचनामा किया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस और परिवार के लोगों का कहना है कि रामवीर द्वारा आत्महत्या किए जाने का कारण किसी को पता नहीं है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

आत्महत्या के कारण की नहीं हुई जानकारी

गांजे के साथ एक गिरफ्तार

यूनिक समय मथुरा। कोतवाली पुलिस ने चेंकिग के दौरान लिंक रोड फ्लाईओवर के नीचे रेलवे लाइन के समीप से अभियुक्त संतोष देवीपुरा भगवती नगर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से एक किलो 150 ग्राम गांजा बरामद किया है। पुलिस ने उसके खिलाफ एनडीपीसी एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

अब दिल का इलाज हुआ और भी आसान, मथुरा का सबसे विश्वसनीय
हृदय रोग संस्थान
अगर आप महसूस कर रहे हैं ये लक्षण तो बिना देरी किए चिकित्सीय परामर्श एवं इलाज लें
जैसेः–बेचैनी, घबराहट, सीने में जकड़न, भारीपन व दवाब महसूस होना, सांस लेने में तकलीफ या सांस फूलना, ठंडा पसीना आना, चक्कर आना, गले में घुटन सी होना, आंखों के सामने अंधेरा होना, बाऐ हाथ या कंधे में दर्द होना, गर्दन या पीठ के बीच में दर्द होना
प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना PM-JAY
आयुष्मान कार्ड धारकों का निशुल्क इलाज
ओ.पी.डी. प्रातः 9 बजे से सायं 4 बजे तक
24X7 आपातकालीन
फ्री ओ.पी.डी. | ई.सी.जी ब्लड शुगर की जाँच
हेल्थ इंश्योरेंस से कैशलेस इलाज की सुविधा | भारतीय रेलवे से सम्बद्ध | ECHS की सुविधा
QCI QUALITY COUNCIL OF INDIA

DR. ACHAL SHARMA
DM Cardiology (KEM Mumbai) DrNB cardiology, DNB Gen Medicine

TEST	MARKET RATE	OUR RATE
ECHO	2500	1000
TMT	1500	500
Holter	2000	1500
Angiography	10000	7000
Angioplasty	140000	90000 (Stent charge Extra)
Pacemaker (TPI)	15000	9000

•Angioplasty, Angiography
•Heart Failure Management
•Pediatric Cardiac Intervention/ Coarctoplasty (छाती में बिना चीरा लगाए दिल के छेद को बन्द करना) Volvuloplasties, BMV
•2D ECHO (Adult, Pediatric, Fetal DSE, Strain, Tee)
•Cardiac ICU with all modern facilities
•Cardial Catheterization
अन्य सुविधाएं
के.डी. मेडिकल कॉलेज हॉस्पीटल एण्ड रिसर्च सेंटर
अकबरपुर, छाता, मथुरा
हैल्पलाइन नं. 7055400400, 7088105741

दीवारों पर साकार होंगी श्रीकृष्ण की मनमोहक बाल लीलाएं

जन्माष्टमी से पहले कृष्णनगरी का बदलेगा रंग-रूप

देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को लुभाने की तैयारी

कृष्ण जन्मोत्सव की तैयारियों को दीवार पर पेंटिंग करती महिला।

यूनिक समय, मथुरा। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी को लेकर मथुरा में तैयारियां तेज हो गई हैं। देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं के स्वागत के लिए कृष्णनगरी को ब्रज संस्कृति और भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं से सजाया जा रहा है। मथुरा-वृंदावन नगर निगम की ओर से शहर के प्रमुख मार्गों, चौराहों और प्रवेश द्वारों पर दीवार चित्रकारी कराई जा रही है। इससे शहर का वातावरण भक्तिमय होने के साथ ब्रज की सांस्कृतिक विरासत को भी दर्शाएगा।

श्रीकृष्ण जन्मोत्सव से पहले शहर को सजाने-संवारने का काम शुरू हो चुका है। प्रमुख मार्गों और चौराहों की दीवारों पर आकर्षक पेंटिंग बनाई जा रही हैं। इनमें भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं और जन्मभूमि मंदिर से जुड़े चित्रों को खास तौर पर उकेरा जा रहा है। इस बार इन पेंटिंग बनाने में महिलाएं भी सहयोगी बनीं हैं। जन्मभूमि क्षेत्र, डीग गेट, होली गेट, नया बस अड्डा, स्टेट बैंक चौराहा, भूतेश्वर, गोवर्धन चौराहा, लक्ष्मीनगर और टाउनशिप चौराहा समेत कई स्थानों पर दीवारों को रंगों से सजाया जा रहा है। कलाकार दीवारों पर भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप, बांसुरी, गाय और उनकी विभिन्न लीलाओं से जुड़े चित्र बना रहे हैं। इससे शहर की दीवारें अब पहले से अधिक आकर्षक नजर आने लगी हैं। गोवर्धन चौराहे से भूतेश्वर की ओर जाने वाले डिवाइडर पर सजावटी लाइटों के लिए खंभे लगाए गए हैं। रंग-बिरंगी पेंटिंग और सजावटी रोशनी से कान्हा की नगरी को दुल्हन की तरह सजाने की तैयारी चल रही है।

भूतेश्वर चौराहे से शुरू हुआ चित्रकारी अभियान

चित्रकारी अभियान की शुरुआत श्रीकृष्ण जन्मभूमि के नजदीक स्थित भूतेश्वर चौराहे से की गई है। चौराहे और आसपास की दीवारों पर आकर्षक धार्मिक चित्र बनाए जा रहे हैं। यहां से गुजरने वाले स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं के लिए ये चित्र आकर्षण का केंद्र बन रहे हैं। नगर निगम की योजना के अनुसार, शहर के प्रमुख प्रवेश द्वारों और चौराहों को भी इसी तरह सजाया जाएगा। नगर आयुक्त ओजस्वी राज ने बताया कि अभियान का उद्देश्य मथुरा आने वाले श्रद्धालुओं को भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं और ब्रज की सांस्कृतिक छटा से परिचित कराना है। जन्माष्टमी से पहले शहर को आकर्षक और भक्तिमय स्वरूप देने के लिए कार्य तेजी से कराया जा रहा है।

ग्रामीण बसों में मनमाना किराया वसूली का आरोप

चार से छह बस संचालकों को दिए गए हैं नोटिस

मुख्यमंत्री ग्रामीण योजना की बसों में अधिक किराया वसूली

कई निर्धारित रूटों पर भी नहीं चल रही हैं बसें

यूनिक समय, मथुरा। ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को बेहतर और सस्ती परिवहन सुविधा देने के लिए संचालित मुख्यमंत्री ग्रामीण योजना की बसों को लेकर अब शिकायतें सामने आने लगी हैं। आरोप है कि कुछ बसों में यात्रियों से निर्धारित किराये से अधिक रकम वसूली जा रही है। वहीं, कई बसें निर्धारित रूट पर नियमित रूप से नहीं चल रही हैं। अब शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए परिवहन विभाग ने जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, मुख्यमंत्री ग्रामीण योजना के तहत जिले के ग्रामीण इलाकों को परिवहन सुविधा से जोड़ने के लिए अलग-अलग रूटों पर बस संचालन के लिए करीब 29 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए थे। इनमें से चार बसों के आवेदन वापस ले लिए गए, जबकि करीब छह बसों के संचालन की प्रक्रिया अभी चल रही है। वर्तमान में करीब 20 बसें विभिन्न ग्रामीण रूटों पर चलाई जा रही है। इन बसों का संचालन छाता, मांट, नौहझील और बाजना सहित ग्रामीण क्षेत्रों के रूटों पर किया जा रहा है। योजना का उद्देश्य गांवों से आने वाले लोगों को कम किराये में सुगम परिवहन सुविधा देने के लिए बनाई गई है, लेकिन कुछ बसों के परिचालकों पर निर्धारित किराये से अधिक रकम लेने के आरोप लगे हैं।

एआरएम कमल किशोर आर्य ने बताया कि मुख्यमंत्री ग्रामीण योजना के तहत बसें विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों के यात्रियों की सुविधा के लिए संचालित की गई हैं। निर्धारित किराये से अधिक वसूली की शिकायतें विभाग को मिली हैं, जांच कराई जा रही है। चार से छह बस स्वामियों को नोटिस जारी किए जा चुके हैं। मामले की जानकारी डीएम को भी दी गई है। उन्होंने कहा कि जांच में शिकायत सही पाए जाने पर संबंधित बस संचालकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जरूरत पड़ने पर बसों की संविदा समाप्त करने की कार्रवाई भी की जाएगी।

श्री पेरंबदूर से शुरू हुई 35 वीं सद्भावना यात्रा पहुंची मथुरा

यूनिक समय, मथुरा। राजीव गांधी ज्योति सद्भावना यात्रा के आगमन पर गोवर्धन चौराहा पर कांग्रेसजनों ने यात्रा का जोरदार स्वागत किया। राजीव गांधी ज्योति सद्भावना यात्रा जो राष्ट्रीय एकता, भाईचारे और सद्भावना का संदेश लेकर तमिलनाडु के श्री पेरंबदूर से प्रारंभ हुई है। यात्रा के आज दोपहर ढाई बजे मथुरा पहुंचने पर गोवर्धन चौराहा पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष मुकेश धनगर के नेतृत्व में पार्टीजनों ने यात्रा का स्वागत किया। मुकेश धनगर ने इस अवसर पर कहा कि राजीव गांधी ने अपने जीवनकाल में देश को आधुनिक सोच और तकनीकी विकास की दिशा दी। उनकी प्रेरणा से ही आज हम एकता और सद्भावना का संदेश लेकर आगे बढ़ रहे हैं। यह यात्रा केवल स्मरण नहीं, बल्कि उनके आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प है। 35 वीं यात्रा विभिन्न राज्यों से होते हुए कल 19 अगस्त को नई दिल्ली पहुंचेगी। इसके बाद 20 अगस्त को इस यात्रा का समापन भारत के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की स्मृति स्थल वीर भूमि पर होगा। यात्रा का उद्देश्य समाज में सद्भावना, भाईचारे और राष्ट्रीय एकता का संदेश देना है। इस मौके पर कांग्रेसजनों में पूर्व अध्यक्ष विक्रम बाल्मीकि उमेश शर्मा, आदित्य तिवारी, अप्रतिम सक्सेना, पंकज चौधरी, बलवीर प्रधान, हाशिम हुमेर, रवि वाल्मीकि, रमेश कश्यप, खुशी राम पटेल, पुनीत शर्मा, नदीम अहमद, करन निषाद, अशोक निषाद, धीरज शर्मा, धर्मेंद्र प्रधान, दीपक दीक्षित आदि कांग्रेसजन मौजूद रहे।

'संभव' जनसुनवाई में 21 शिकायतें तीन का मौके पर निस्तारण

जनसुनवाई करते अपर नगर आयुक्त सौरभ सिंह, साथ हैं कई निगम के अधिकारी ।

भूतेश्वर जोन में अतिक्रमण, सफाई और लाइट की शिकायतें आईं

वृंदावन में सीवर-पेयजल से जुड़ी समस्याएं भी उठीं

यूनिक समय, मथुरा। लोगों की जनशिकायतों का तेजी से निस्तारण कराने के लिए, उत्तर प्रदेश के नगर विकास मंत्री की पहल पर प्रत्येक मंगलवार को होने वाली 'संभव' संतुष्टि एवं समृद्धि जनसुनवाई मंगलवार को नगर निगम के कार्यालयों में हुई। सुबह 10 बजे से भूतेश्वर स्थित नगर निगम कार्यालय में अपर नगर आयुक्त सौरभ सिंह एवं सुनीता कुमारी ने लोगों की शिकायतें सुनीं। वहीं सिटी जोन जनरल गंज कार्यालय में अवर अभियंता अजय कुमार और वृंदावन जोनल कार्यालय में सहायक नगर आयुक्त नीरज शर्मा ने जनसुनवाई की।

भूतेश्वर जोन में 10 शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें पांच अतिक्रमण, एक लाइट और चार सफाई से संबंधित थीं। इनमें से एक लाइट, एक सफाई और एक अतिक्रमण की शिकायत का मौके पर ही निस्तारण करा दिया गया।

वृंदावन जोन में 11 शिकायतें आईं। इनमें तीन सफाई, तीन जलकल विभाग से संबंधित सीवर सफाई एवं पेयजल, दो निर्माण, एक टैक्स, एक लाइट और एक अतिक्रमण की शिकायत शामिल रही। अधिकारियों को सभी शिकायतों का निर्धारित समय सीमा में निस्तारण कराने के निर्देश दिए गए। जनसुनवाई में सहायक नगर आयुक्त अनुज कौशिक, मुख्य अभियंता निर्माण संजय सिंह, महाप्रबंधक जल मोहम्मद अनवर ख्वाजा, सहायक अभियंता जल हेमेंद्र गौतम, पशु चिकित्सा अधिकारी संतोष पाल और अवर अभियंता विद्युत यंत्र शैलेश सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

गाइडों की नियुक्ति, तीर्थ पुरोहित पंडा समाज के हितों पर कुठाराघात

यूनिक समय, मथुरा। अखिल भारतीय तीर्थ पुरोहित महासंघ के वरिष्ठ सलाहकार अमित भारद्वाज ने कहा कि पर्यटन विभाग द्वारा तीर्थ स्थलों का भ्रमण कराने के लिए गाइडों की नियुक्ति निश्चित रूप से तीर्थ पुरोहित पंडा समाज के हितों पर सीधा कुठाराघात होगा। तीर्थ पुरोहित कई पीढ़ियों से परंपरागत रूप से यात्रियों और यजमानों को तीर्थ दर्शन यात्रा कराते रहे हैं। उनको स्थलों की जानकारी होती है, वह यात्रियों को उक्त स्थलों के बारे में इनकी ऐतिहासिकता-पौराणिकता से अवगत कराते हैं, जबकि प्रशिक्षित गाइड को जितना प्रशिक्षण में बतलाया जाएगा, उतनी ही जानकारी उनको हो पाएगी। पर्यटन स्थलो की भांति तीर्थ स्थलों पर गाइडों की नियुक्ति से तीर्थों के पुरोहितों के पेट पर लात मारने के समान होगा।

मौसम बदलते ही जिला अस्पताल में बढ़े मरीज

जिला अस्पताल में मरीजों को देखते फिजीशियन डॉ. रवि माहेश्वरी।

जिला अस्पताल में उमड़ी मरीजों की भीड़

वायरल और सांस रोगी बढ़े

यूनिक समय, मथुरा। मौसम में बदलाव का असर लोगों की सेहत पर दिखाई देने लगा है। जिला अस्पताल की ओपीडी में इन दिनों मरीजों की संख्या बढ़ गई है। मंगलवार को अस्पताल में मरीजों की भीड़ रही। फिजीशियन डॉ. रवि माहेश्वरी के पास मरीज उपचार के लिए पहुंचे। मरीज अपनी बारी का इंतजार करते नजर आए।

डॉ. रवि माहेश्वरी ने बताया कि मंगलवार को ओपीडी करीब 180 मरीजों की रही। मौसम में बदलाव के कारण वायरल से पीड़ित मरीजों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। इसके साथ ही सांस संबंधी परेशानी, खून की कमी, लीवर की बीमारी, उल्टी-दस्त और टीबी से संबंधित मरीज भी उपचार के लिए पहुंच रहे हैं। उन्होंने बताया कि सांस संबंधी परेशानी वाले करीब 35 मरीज आए। इनमें बुजुर्ग मरीजों की संख्या अधिक रही। खून की कमी वाले करीब 30, लीवर से संबंधित बीमारी वाले 28, उल्टी-दस्त के 25 और टीबी से पीड़ित करीब 15 मरीज ओपीडी में पहुंचे। डॉ. माहेश्वरी ने बताया कि खून की कमी वाले चार से पांच मरीज रोजाना भर्ती हो रहे हैं। वायरल से पीड़ित करीब चार मरीजों को भी प्रतिदिन भर्ती कर उपचार दिया जा रहा है। मरीजों की स्थिति के अनुसार उनका इलाज किया जाता है और उपचार का पूरा कोर्स होने के बाद उन्हें छुट्टी दे दी जाती है। उन्होंने बताया कि वृंदावन से भी कई मरीज जिला अस्पताल में उपचार कराने के लिए पहुंच रहे हैं।

मौसम में बदलाव के कारण वायरल और सांस संबंधी बीमारियों के मरीजों की संख्या बढ़ी है। खासकर बुजुर्गों में सांस संबंधी परेशानी अधिक देखने को मिल रही है।

उन्होंने बताया कि मौसम बदलने के साथ ही लोगों को अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना चाहिए। वायरल, सांस लेने में परेशानी, उल्टी-दस्त या अन्य स्वास्थ्य समस्या होने पर समय से चिकित्सक की सलाह लेकर उपचार कराना चाहिए।

मंदिरों के आसपास होने वाले हादसे, चिंता का कारण

यूनिक समय, वृंदावन। मंदिरों के आसपास किसी न किसी कारण मच रही भगदड़ की खबरों को लेकर यहां के लोग भी चिंतित हो उठते है। यदि मंदिरों में दर्शन करने के लिए आने वाली श्रद्धालुओं के दौरान किसी वजह से भगदड़ की स्थिति बनती है तो क्या स्थिति होगी। सवाल पैदा होता है कि भगदड़ की स्थिति को काबू करने के लिए क्या कोई इंतजाम हैं।

गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट कालका मंदिर, महाकालेश्वर मंदिर और पुरी जगन्नाथ मंदिर के मामलों में अलग-अलग दिशा निर्देश दे चुका है। फिर भी कल बिहार और पश्चिम बंगाल में 16 श्रद्धालुओं की मौत होने की खबर ने सभी को चिंता में डाल दिया। वह इसलिए मंदिरों की नगरी वृंदावन में ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर, ठाकुर राधाबल्लभ लाल मंदिर, राधारमण मंदिर, निधिवन राज मंदिर, मदन मोहन मंदिर समेत कई और प्रमुख मंदिर है, जहां श्रद्धालुओं की भीड़ अधिक दिखाई देती है। प्रश्न यह उठता है कि यदि किसी धार्मिक स्थल पर किसी वजह से कोई भगदड़ की स्थिति बनती है तो क्या हालात बनेंगे। सबसे अधिक चिंता तो ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में दर्शन करने के लिए उमड़ने वाली भीड़ को लेकर होती है। यहां कभी-कभी श्रद्धालुओं के बीच गाय और सांड दिखाई देते हैं। यदि किसी कारण बिदक गए तो क्या होगा। कई बार यह देखा गया कि गाय और सांड ऐसी भगदड़ मचवा देते हैं कि लोग बचाव में भागते हुए गिर जाते हैं। फिर उनके ऊपर से लोग निकलते हुए चले जाते हैं। या किसी अफवाह की वजह से भगदड़ की स्थिति बनती है तो उस समय क्या हालात होगी। इन शंकाओं को लेकर प्रशासन को सुप्रीम कोर्ट के दिशा निर्देशानुसार व्यवस्थाएं दुरुस्त करनी होंगी।

नवप्रवेशी छात्रों से सीईओ बोले, मंजिल के लिए 'भूख' और इंटरनल मोटिवेशन जरूरी

जीएलए में ऑरिएंटेशन के साथ 29वां शैक्षणिक सत्र शुरू

कुलपति, सीएफओ और कुलसचिव ने नवप्रवेशी विद्यार्थियों को लक्ष्य आत्मविश्वास और निरंतर मेहनत के साथ सफलता की नई ऊंचाइयां छूने का दिया संदेश

जीएलए विश्वविद्यालय, मथुरा के दीक्षारंभ–ऑरिएंटेशन कार्यक्रम के दौरान मंच पर मंचासीन कुलपति प्रो. अनूप कुमार गुप्ता, सीईओ नीरज अग्रवाल, सीएफओ डा. विवेक अग्रवाल, कुलसचिव अशोक कुमार सिंह और अन्य पदाधिकारीगण।

यूनिक समय, मथुरा। नए सपनों, नई उम्मीदों और बेहतर भविष्य की आकांक्षाओं के साथ जीएलए विश्वविद्यालय, मथुरा में नवप्रवेशित छात्र–छात्राओं के विश्वविद्यालय जीवन की शुरुआत हुई। विश्वविद्यालय में आयोजित 29वें दीक्षारंभ–ऑरिएंटेशन कार्यक्रम में विद्यार्थियों को न केवल उच्च शिक्षा की दिशा और विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली से परिचित कराया गया, बल्कि वक्ताओं ने उन्हें लक्ष्य निर्धारित कर अपनी क्षमताओं को पहचानने और सफलता के लिए निरंतर प्रयास करने का संदेश दिया।

कुलपति प्रो. अनूप कुमार गुप्ता ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय में प्रवेश उनके जीवन के एक नए अध्याय की शुरुआत है। उन्होंने विद्यार्थियों को सीखने के साथ अपने व्यक्तित्व, सोच और क्षमताओं को विकसित करने पर ध्यान देने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि जीएलए में विद्यार्थियों को ऐसा वातावरण देने का प्रयास किया जाता है, जहां वे अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ते हुए अपनी प्रतिभा को बेहतर तरीके से पहचान और विकसित कर सकें। कुलपति ने विद्यार्थियों को यह भी संदेश दिया कि कॉलेज जीवन केवल डिग्री हासिल करने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह उनके व्यक्तित्व और भविष्य के निर्माण का महत्वपूर्ण चरण है।

विश्वविद्यालय के सीईओ नीरज अग्रवाल ने अपने खास अंदाज में विद्यार्थियों से संवाद करते हुए कहा कि जीवन में केवल बाहरी प्रेरणा के भरोसे आगे नहीं बढ़ा जा सकता। कुछ समय के लिए किसी प्रेरक भाषण से उत्साह जरूर पैदा हो सकता है, लेकिन वास्तविक सफलता तब मिलती है, जब व्यक्ति के भीतर आगे बढ़ने की 'भूख' और इंटरनल मोटिवेशन पैदा हो। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि उन्हें यह तय करना होगा कि वे जीवन में सामान्य तरीके से आगे बढ़ना चाहते हैं या अपनी पहचान खुद बनाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि अधिकांश लोग बिना अपना मिशन, विजन और लक्ष्य तय किए जीवन की सामान्य गति में चलते रहते हैं, लेकिन असाधारण उपलब्धियां हासिल करने के लिए अपनी सोच को सामान्य सीमाओं से बाहर ले जाना जरूरी है।

सीईओ ने कहा कि विद्यार्थियों के पास विश्वविद्यालय में सीखने और आगे बढ़ने के लिए अनेक अवसर मौजूद हैं। उन्होंने प्लेसमेंट प्रक्रिया का उल्लेख करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय की टीम विद्यार्थियों के लिए कंपनियों को कैंपस तक लाने के लिए लगातार मेहनत करती है। कई बार अधिकारी घंटों तक कंपनियों के मानव संसाधन अधिकारियों से संपर्क और संवाद करते हैं, ताकि विद्यार्थियों को अधिक से अधिक अवसर मिल सकें। मुख्य वित्त अधिकारी डॉ. विवेक अग्रवाल ने कहा कि आज से विद्यार्थियों की कॉलेज लाइफ शुरू हो रही है और निश्चित रूप से कुछ वर्षों बाद यही दिन उनकी सबसे खूबसूरत यादों का हिस्सा होगा। उन्होंने कहा कि बड़े लक्ष्य तक पहुंचने के लिए छोटे–छोटे कदमों को सही दिशा देना जरूरी है। पाठ्यक्रम कोई भी हो, सफलता के लिए मेहनत, सीखने की इच्छा और खुद पर विश्वास सबसे महत्वपूर्ण हैं।

कुलसचिव अशोक कुमार सिंह ने कहा कि नवप्रवेशित विद्यार्थी अब परंपरागत शिक्षा के बाद तकनीकी और व्यावसायिक पाठ्यक्रमों से जुड़ रहे हैं, जहां से उनके विद्यार्थी जीवन को नई दिशा मिलेगी। उन्होंने ओरिएंटेशन के माध्यम से विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की 28 वर्षों की उपलब्धियों से परिचित कराया। उन्होंने बताया कि कुलाधिपति नारायण दास अग्रवाल ने वर्ष 1998 में जीएलए इंस्टीट्यूट की स्थापना की थी और उनका सपना देश में उच्चकोटि का विश्वविद्यालय स्थापित करना था, जहां छात्र–छात्राएं अपने सपनों और लक्ष्यों को पूरा कर सकें। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि सफलता के लिए सबसे पहले अपना गोल सेट करना जरूरी है। अपनी रुचि और प्रतिभा को पहचानकर सोच–समझकर लक्ष्य तय करें, क्योंकि प्रत्येक विद्यार्थी के भीतर कोई न कोई विशेष प्रतिभा जरूर होती है।

जीएलए विश्वविद्यालय, मथुरा में संचालित विभिन्न पायक्रमों में स्नातक स्तर पर बीटेक, बीफार्मा, बीएससी, बायोटेक, बीए, बीकॉम, बीए–एलएलबी और बीकॉम–एलएलबी ऑनर्स, डिप्लोमा इन फार्मेसी और स्नातकोत्तर स्तर पर एमटेक, एमबीए, एमफार्मा (फार्माकोलॉजी एवं फामास्यूटिक्स) सहित विभिन्न पाठ्यक्रमों के नवप्रवेशित छात्र–छात्राओं ने ओरिएंटेशन कार्यक्रम में सहभागिता की।

इस अवसर पर डीन एकेडमिक प्रो. आशीष शर्मा, आईटी निदेशक प्रो. अशोक भंसाली, मुख्य परीक्षा नियंत्रक प्रो. अतुल बंसल, डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. हिमांशु शर्मा, प्रबंधन संकाय निदेशक प्रो. अनुराग सिंह, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष प्रो. विनय देवलिया सहित विभिन्न पदाधिकारियों ने विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय के शिक्षण सत्र और विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी। संचालन अंग्रेजी विभाग की प्रोफेसर डॉ. दिव्या गुप्ता ने किया। वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी दीपक गौड़ सहित विभिन्न अधिकारियों- कर्मचारियों का सहयोग रहा।

केएम रेजीडेंसी में धूमधाम से मनाया हरियाली तीज उत्सव

हरियाली तीज कार्यक्रम में मौजूद केएम रेजीडेंसी की महिलाएं।

यूनिक समय, मथुरा। केएम रेजीडेंसी में हरियाली तीज महोत्सव हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। पारंपरिक परिधानों और सोलह श्रृंगार में सजी महिलाओं ने सावन गीत, नृत्य और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से कार्यक्रम में तीज के रंग भर दिए।

कार्यक्रम की शुरुआत सावन गीतों के साथ हुई। इसके बाद विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। गुंजन चौधरी, कविता चौधरी, शिवानी भारद्वाज, प्रीति अग्रवाल, आकृति गौतम और शालिनी अग्रवाल सहित महिलाओं ने शानदार प्रस्तुतियां दीं। हर प्रस्तुति पर परिसर तालियों से गूंज उठा।

तीज क्वीन बनीं अलका मिश्रा, महिलाओं ने दीं रंगारंग प्रस्तुतियां

महोत्सव का मुख्य आकर्षण तीज क्वीन प्रतियोगिता रही। प्रतिभागियों ने आत्मविश्वास के साथ अपनी प्रतिभा और आकर्षक अंदाज का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में अलका मिश्रा ने तीज क्वीन का खिताब अपने नाम किया। मीरा अग्रवाल और बबीता पाठक ने निर्णायक की भूमिका निभाई।

कार्यक्रम का संचालन मिताली फौजदार ने प्रभावी अंदाज में किया। उनकी हाजिरजवाबी और ऊर्जा ने पूरे आयोजन को खास बना दिया। अर्चना राय, साधना, अनीता, सीमा, कविता, अंजू चौधरी, अनामिका और सौम्या सहित सोसायटी की महिलाएं मौजूद रहीं। आयोजकों ने कहा कि ऐसे आयोजन संस्कृति और परंपराओं के साथ आपसी प्रेम-सौहार्द को मजबूत करते हैं।

समाज के साथ खड़ी है ब्रजमंडल क्षत्रिय राजपूत सभा

यूनिक समय, मथुरा। ब्रज मंडल क्षत्रिय राजपूत सभा का सम्मेलन गांव भैंसा, रिफाइनरी में हुआ। सभा के प्रदेश अध्यक्ष ठाकुर मुकेश सिंह सिकरवार का स्वागत किया ।

संगठन विस्तार करते हुए ठाकुर मानवेन्द्र सिंह को तरकर घार का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया। प्रदेश अध्यक्ष ठाकुर मुकेश सिकरवार ने कहा कि ब्रजमंडल क्षत्रिय राजपूत सभा हर मुद्दे पर समाज के साथ खड़ी है, केंद्र सरकार ने सवर्ण समाज के बच्चों के भविष्य को बर्बाद करने के लिए काला कानून यूजीसी एक्ट लागू किया है, जिसमे सवर्ण समाज के बच्चों को पैदा होते ही शोषक घोषित कर दिया है, यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। अध्यक्षता ठाकुर राजकुमार सिंह ने और संचालन गुड्डू सिंह ने किया । इस मौके पर डॉ जगदीश सिंह गौर, ठा. विजय सिंह राजपूत,ठाकुर भरत सिंह गौर, ठाकुर भूरी सिंह आदि उपस्थित थे।

समस्याओं को लेकर बीएमएस ने सौंपा ज्ञापन

मांगों को लेकर डीएम को ज्ञापन देने जाते भारतीय मजदूर संघ के पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। भारतीय मजदूर संघ के जिला मंत्री जय प्रकाश शुक्ला और संगठन के कर्मचारियों ने मजदूरों और कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन डीएम को सौंपा। ज्ञापन में महंगाई, बेरोजगारी, संविदा कर्मचारियों के शोषण, मानदेय और सामाजिक सुरक्षा सहित कई मुद्दे उठाए गए।

ज्ञापन में कहा गया कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, आशा और आशा संगिनी को उचित मानदेय नहीं मिल रहा है। संविदा और आउटसोर्सिंग कर्मचारियों को समय पर वेतन नहीं दिया जाता, नौकरी की सुरक्षा के लिए स्पष्ट नियमावली भी नहीं है। सफाई कर्मचारियों को सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराने और उचित वेतन देने की मांग की गई। संघ ने आठवें वेतन आयोग की सिफारिशें एक जनवरी 2026 से लागू करने और न्यूनतम वेतन 72 हजार रुपये करने की मांग की। आशा को 18 हजार और आशा

समस्याओं को लेकर बीएमएस ने सौंपा ज्ञापन

संगिनी को 24 हजार रुपये मानदेय, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को नियमित कर 18 हजार रुपये न्यूनतम मानदेय देने की मांग भी की गई। ज्ञापन में पुरानी पेंशन बहाल करने, सरकारी विभागों में रिक्त पदों पर भर्ती शुरू करने, संविदा-आउटसोर्सिंग कर्मचारियों के लिए नियमावली बनाने, 108 और 102 एंबुलेंस के बर्खास्त कर्मचारियों की बहाली, एनएचएम कर्मियों की बीमा और वेतन संबंधी समस्याओं का समाधान करने की मांग की गई।

राजीव एकेडमी के बीबीए विद्यार्थियों को बताए सफलता के मंत्र

प्रतिस्पर्धी दौर में केवल डिग्री प्राप्त करना ही पर्याप्त नहीं

नवागंतुक छात्र–छात्राओं को करियर निर्माण की जानकारी देते हुए आशुतोष सिंह।

यूनिक समय, मथुरा। राजीव एकेडमी फॉर टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट, मथुरा के बीबीए विभाग द्वारा आयोजित ओरिएंटेशन कार्यक्रम में फस्टमेरीडियन ग्रुप क्यूएलवी के सीनियर मैनेजर-एचआर आपरेशन आशुतोष सिंह ने नवागंतुक छात्र–छात्राओं को करियर निर्माण, प्लेसमेंट, उद्यमिता और व्यक्तित्व विकास की महत्वपूर्ण जानकारी दी। नवागंतुकों से उन्होंने कहा कि सही संस्थान का चयन जीवन के महत्वपूर्ण निर्णयों में से एक होता है।

आशुतोष सिंह ने छात्र–छात्राओं से अपने विद्यार्थी जीवन के अनुभव साझा करते हुए बताया कि राजीव एकेडमी में अध्ययन के दौरान उन्हें अपने करियर को दिशा देने और बेहतर अवसर प्राप्त करने में काफी सहायता मिली। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने रुचि के क्षेत्र को पहचानकर उसमें निरंतर मेहनत करने, आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

उन्होंने कहा कि वर्तमान प्रतिस्पर्धी दौर में केवल डिग्री प्राप्त करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि विषय का मजबूत ज्ञान, व्यावहारिक कौशल, आत्मविश्वास, संचार कौशल और सकारात्मक दृष्टिकोण भी आवश्यक हैं। विद्यार्थियों के साथ कैंपस प्लेसमेंट, एचआर इंटरव्यू की तैयारी से जुड़े महत्वपूर्ण टिप्स भी साझा किए। उन्होंने बताया कि इंटरव्यू में सफलता के लिए विषय ज्ञान के साथ–साथ आत्मविश्वास, उचित कम्युनिकेशन और सकारात्मक बॉडी लैंग्वेज महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर नवागंतुक छात्र–छात्राओं ने विभिन्न प्रश्न पूछकर अपने करियर संबंधी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया।

संस्थान के चेयरमैन डॉ. रामकिशोर अग्रवाल ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए शैक्षणिक ज्ञान के साथ इंडस्ट्री एक्सपोजर अत्यंत आवश्यक है।

राजीव एकेडमी फॉर टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट के निदेशक डॉ. अमर कुमार सक्सेना ने कहा कि संस्थान का उद्देश्य विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ–साथ उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करना है।

चाकू के साथ गिरफ्तार

यूनिक समय मथुरा। गोविंदनगर पुलिस ने वीसी गोयल के सामने वाले रास्ते पर नीम के पेड़ के नीचे से अभियुक्त मोनू निवासी नई मस्जिद के पास राधेश्याम कॉलोनी थाना गोविंदनगर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से एक अवैध चाकू बरामद किया है।

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालयः– यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक–पवन गौतम

फोन नंबर–0565–3550761

मो. 9837155888

E-mail : uniquesamaynews@gmail.com

website : uniquesamay.com

RNI-UPHIN/2023/85053

DAVP-: 134220

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

अगर आप माइग्रेन को समझते हैं मामूली बीमारी, अभी से हो जाएं सावधान

यूनिक समय, मथुरा। वैसे तो सिरदर्द होना एक आम परेशानी है, लेकिन कई बार इस दर्द को बर्दाश्त करना मुश्किल हो जाता है। आधे हिस्से में असहनीय दर्द होना माइग्रेन का कारण भी हो सकता है।

तनाव, मौसम में बदलाव, चिंता, सदमा, टेंशन, नींद की कमी के कारण आजकल माइग्रेन की समस्या आम हो गई है लेकिन महिलाएं इसका तेजी से शिकार हो रही हैं।

माइग्रेन को गंभीरता से नहीं लेती महिलाएं

सर गंगाराम अस्पताल के न्यूरो एंड स्पाइन विभाग के निदेशक, डॉक्टर सतनाम सिंह छाबड़ाने का मानना था कि माइग्रेन ने लगभग 20 प्रतिशत महिलाओं को अपना शिकार बना रखा है।

2022 के आंकड़ों में भी यही पाया गया था कि 19 फीसदी महिलाएं, जबकि 9 फीसदी पुरुषों में इस समस्या के होने का खतरा रहता है, फिर भी माइग्रेन को महिलाएं गंभीरता से नहीं ले रही हैं और न ही इसका उचित ट्रीटमेंट कराती हैं।

माइग्रेन में दिखने वाले लक्षण

- सिर का लगातार तेजी से फड़फड़ाना।
- सुबह उठते ही सिर पर भारीपन व तेज दर्द महसूस होना।
- उल्टी आना।
- सिर के एक ही हिस्से में लगातार दर्द रहना।
- आंखों में दर्द व भारीपन महसूस होना।
- तेज रोशनी और आवाज से परेशानी होना।
- दिन के समय भी उबासी आना।
- अचानक से कभी खुशी तो कभी उदासी छा जाना।
- अच्छे से नींद न आना।
- बार- बार यूरिन आना।

महिलाएं क्यों हो रही शिकार

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक महिलाओं में मासिक धर्म के समय होने वाले हार्मोनल परिवर्तन के कारण भी माइग्रेन का खतरा बढ़ जाता है। इसके अलावा तनाव, अवसाद, चिंता और उत्तेजना जैसी स्थितियां भी माइग्रेन को बढ़ावा दे सकती हैं। वे इसे एक नॉर्मल बीमारी समझकर पेनकिलर खा लेती है और बिना उचित इलाज के जीती रहती हैं। वे इसे तब तक अनदेखा करती हैं, जब तक यह किसी गंभीर बीमारी का रूप नहीं ले लेता है।

माइग्रेन का उपचार

योग, एक्यूप्रेशर और नियमित व्यायाम से माइग्रेन के दौरे को घटाने में मदद मिलती है। बहुत तेज व चुभने वाली रोशनी से बचें। संतुलित दिनचर्या का पालन करें। समय पर सोना व जगना चाहिए। नियमित रूप से एक्सरसाइज करें। बहुत ज्यादा देर तक भूखे नहीं रहें। माइग्रेन के समय फोन या लैपटॉप का न करें इस्तेमाल।

क्या है इस बीमारी के कारण

गलत खानपान, दिनचर्या, तनाव, वातावरण में बदलाव होना, हार्मोन्स में बदलाव आना या फिर अधिक सोना माइग्रेन होने की मुख्य वजहों मे से है। डिप्रेशन, एंजाइटी डिसॉर्डर, स्ट्रेस माइग्रेन से होने वाली मानसिक बीमारियां हैं। भारत मे माइग्रेन मरीज की संख्या मे महिलाओं की तादाद पुरुषों से तीन गुना ज्यादा है।

रोज़ाना खाएं पान, मिलेंगे ये जबरदस्त फायदे

यूनिक समय, मथुरा। आयुर्वेद और चरक संहिता में पान के पत्ते को औषधीय गुणों का खजाना बताया गया है। यही वजह है कि अक्सर लोग खाना खाने के बाद पान चबाते हैं। आपने भी अपने घर में बड़े बुजुर्गों को पान खाते देखा होगा। पान खाने से स्वास्थ्य को कई लाभ मिलते हैं।

पान के पत्तों को बहुत शुभ माना जाता है। इसका इस्तेमाल पूजा–पाठ और शादी विवाह के मौके पर जरूर किया जाता है। इसके अलावा, आयुर्वेद और चरक संहिता में पान के पत्ते को औषधीय गुणों का खजाना बताया गया है। यही वजह है कि अक्सर लोग खाना खाने के बाद पान चबाते हैं। आपने भी अपने घर में बड़े बुजुर्गों को पान खाते देखा होगा। पान खाने से स्वास्थ्य को कई लाभ मिलते हैं। आज के इस लेख में हम आपको पान खाने के फायदों के बारे में बताए जा रहे हैं...

पान खाना हमारे पाचन तंत्र के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इसके सेवन से कब्ज और एसिडिटी जैसी पेट संबंधी समस्याओं में लाभ होता है। पान के पत्ते चबाने से पेट के अल्सर को ठीक करने में भी मदद मिलती है।

यौन स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद

पुरुषों के यौन स्वास्थ्य के लिए भी पान के पत्तों का सेवन फायदेमंद होता है। पान के पत्ते खाने से पुरुषों की सेक्सुअल लाइफ अच्छी बनती है। इसके सेवन से पुरुषों में कामेच्छा में कमी, नपुंसकता, टेस्टोस्टेरोन में कमी आदि समस्याओं में लाभ होता है।

ओरल हेल्थ के लिए भी पान के पत्ते चबाना फायदेमन्द माना जाता है। पान खाने से दाँत में दर्द, सूजन और कैविटी से आराम मिलता है। इसके पत्ते चबाने से दांतों पर जमा प्लेक हटाने में भी मदद मिलती है। इसके अलावा, पान के पत्तों के सेवन से मसूड़ों की सूजन को ठीक करने में भी मदद मिलती है।

डायबिटीज के मरीजों के लिए भी पान के पत्तों का सेवन करना फायदेमंद होता है। पान के पत्ते खाने से ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने में मदद मिलती है। डायबिटीज के मरीज अगर पान के पत्ते खाएं तो उनकी शुगर कंट्रोल हो सकती है।

सर्दी–जुकाम में भी पान के पत्तों का सेवन बहुत लाभकारी माना जाता है। इसके अलावा, पान के पत्तों का सेवन करने से खांसी में भी जल्द राहत मिलती है।

इसके लिए पान के पत्तों का रस निकालकर और इसमें शहद मिलाकर सेवन करें।

पान के पत्ते चबाने से मुंह से आने वाली दुर्गंध को दूर करने में भी मदद मिलती है। इसमें एंटी–इंफ्लेमेटरी, एंटी-इंफेक्टिव और एंटीसेप्टिक गुण होते हैं तो मुंह से आने वाली बदबू को दूर करते हैं।

ऑफिस की इन गलत आदतों के कारण बढ़ सकता है आपका वजन

यूनिक समय, मथुरा। वर्क फ्रॉम होम और डेस्क जॉब कल्चर के कारण हम पूरे दिन ऑफिस में चेयर पर बैठे रहते हैं। ऐसे में दिनभर कोई खास मेहनत ना करने के कारण धीरे–धीरे वजन बढ़ने लगता हैं। इसके अलावा काम में व्यस्तता के कारण हम कुछ ऐसी आदतों को नज़रअंदाज़ कर देते हैं जिससे मोटापा बढ़ने लगता है। आजकल वर्क फ्रॉम होम और डेस्क जॉब कल्चर के कारण हम पूरे दिन ऑफिस में चेयर पर बैठे रहते हैं। ऐसे में दिनभर कोई खास मेहनत ना करने के कारण धीरे–धीरे वजन बढ़ने लगता हैं। इसके अलावा काम में व्यस्तता के कारण हम कुछ ऐसी आदतों को नज़रअंदाज़ कर देते हैं जिससे मोटापा बढ़ने लगता है। मोटापा ना केवल देखने में खराब लगता है, बल्कि अपने साथ कई बीमारियाँ भी

लेकर आता है। आज के इस लेख में हम आपको बताएंगे कि ऑफिस की किन आदतों से मोटापा बढ़ सकता है

धूप के सम्पर्क में न आना: आजकल ज्यादातर लोगों की डेस्क जॉब है। ऐसे में धूप के संपर्क में ना आने से बॉडी की सर्केडियन रिदम अनियंत्रित हो जाती है। इससे शरीर में विटामिन-डी की कमी हो जाती है और वजन बढ़ने लगता है।

रात को देर तक जागना: आजकल मोटापा एक आम समस्या बन गया है। इसका मुख्य कारण है अनियमित जीवनशैली। आजकल अधिकतर युवाओं को रात में देर से सोने की आदत है। नींद ना पूरी होने पर भूख ज्यादा लगती है, जिससे वजन तेजी से बढ़ता है।

मील स्किप करना: आजकल की भागदौड़ भरी जीवनशैली में लोग अक्सर मील स्किप कर देते हैं। कुछ लोग समय की कमी के कारण खाना नहीं खा पाते हैं तो कुछ लोग वजन घटाने के लिए, मील स्किप करते हैं। लेकिन खाना छोड़ने की आदत से आपका वजन ज्यादा बढ़ सकता है।

अनहेल्दी खाना: ज्यादातर लोगों की आदत होती है कि वे ऑफिस डेस्क पर बैठे–बैठे कुछ ना कुछ अनहेल्दी खाते रहते हैं। ऐसे में जंक फूड का अधिक सेवन करने से मोटापा बढ़ने लगता है।

जल्दी—जल्दी खाना: कुछ लोग बिजी होने के कारण जल्दी–जल्दी खाना खाते हैं। लेकिन खाने को ठीक से चबाकर न खाने की वजह से मोटापा बढ़ने लगता है। हेल्थ एक्सपर्ट्स हमेशा खाने को अच्छी तरह चबाकर खाने की सलाह देते हैं।

दिनभर कुर्सी पर बैठे रहना: ज्यादातर लोग ऑफिस डेस्क पर एक ही कुर्सी पर लंबे समय तक बैठे रहते हैं। कम चलने फिरने और स्वस्थ जीवन शैली के कारण वजन बढ़ सकता है। इसलिए हर आधे घंटे में अपनी ऑफिस चेयर से उठकर थोड़ी चहलकदमी करें।

अधिक तनाव लेना: आजकल के आधुनिक जीवन शैली में तनाव बहुत अधिक बढ़ गया है। ऑफिस की डेडलाइंस या काम की टेंशन भी आपके मोटापे का कारण बन सकती है।

सत्य के पक्षधर रहे पत्रकार भानु भैया

कार्यक्रम का शुभारंभ करती साध्वी ऋतंभरा, साथ हैं पूर्व महाधिवक्ता रमेश सिंह, रविकांत गर्ग और महेश खंडेलवाल।

यूनिक समय, वृंदावन। वात्सल्य ग्राम के निर्माण में योगदान देने वाले वरिष्ठ पत्रकार साकेत वासी भानु प्रताप शुक्ल का जयंती समारोह संविद् गुरुकुलम् गर्ल्स सैनिक स्कूल के सभागार में राष्ट्र चिंतन दिवस के रूप में मनाया। छायाचित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

साध्वी ऋतम्भरा ने कहा कि भानु भैया सत्य के पक्षधर रहे । प्रलोभन और भय से मुक्त होकर देश के लिए संवाहक बने। विमर्श के संग्राम में राष्ट्रहित सर्वोपरि है । मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश के पूर्व महाधिवक्ता रमेश सिंह ने भानु भइया के सानिध्य का वर्णन करते हुए कहा कि वे पांचजन्य के संपादक के साथ प्रबल ,प्रखर शब्दों के सिपाही थे। पूर्व ऊर्जा राज्यमंत्री रविकांत गर्ग ने भानु प्रताप शुक्ल के स्वभाव का चित्रण किया। कोषाध्यक्ष महेश खंडेलवाल, संजय भइया, देवेन्द्रसिंह ने अतिथियों को सम्मानित किया ।

इस अवसर पर काव्य पाठ में ओजस्विनी सदन (प्राथमिक वर्ग) से समीक्षा मिश्रा प्रथम , यशस्विनी सदन से अरात्रिका भारी तेजस्विनी सदन से आदिति चौधरी द्वितीय तृतीय स्थान पर रही । चित्रांकन प्रतियोगिता में अंशिका प्रथम अंशी द्विवेदी द्वितीय, रिया चौधरी तृतीय स्थान पर रही। मीडिया लोकतंत्र का सबसे मजबूत स्तंभ है विषय पर वाद– विवाद प्रतियोगिता में छात्रा हिमांशी प्रथम, श्रेया सक्सेना द्वितीय, इशू तृतीय स्थान पर रही । नक्कड़ नाटक में तपस्विती सदन ने प्रथम स्थान प्राप्त किया ।

कार्यक्रम में विद्यालय चेयरमैन संजय मैया, निर्देशिका सुमनलता, कमांडेड एसके शर्मा, प्रेम कुमार सिंह और प्राचार्य पूजा सिंह आदि उपस्थित थे। संचालन कवि डॉ. उमाशंकर राही, धनंजय मिश्रा ने किया।

सीएम को सौंपी जाएंगी 1.11 लाख राखियां

यूनिक समय, वृंदावन। साध्वी ऋतंभरा ने कहा कि 25 अगस्त को राष्ट्र रक्षासूत्र की रजत जयंती पर एक लाख ग्यारह हजार राखियां मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को समर्पित की जायेंगी उन्होंने सामाजिक संगठनों एवं विद्यालयों से राखियाँ लाने का आह्वान किया।

राया में निकली जाहरवीर शोभायात्रा

राया में निकली जाहरवीर शोभायात्रा में शामिल भक्त ।

यूनिक समय, राया। अखिल भारतीय गोगा महाराज भक्त मंडल के तत्वावधान में जाहरवीर बाबा की शोभायात्रा भक्ति-भाव के साथ निकाली गई, जगह– जगह यात्रा का स्वागत किया गया । शोभायात्रा का सायं चार बजे बैंडबाजों के साथ कस्बे के प्रमुख मार्गों से होते हुए नगर भ्रमण कर मंदिर पर समापन हुआ । रात्रि को कैमारा गोगा मंदिर पर गोपाल नाथ और बबलू नाथ मंडली की ओर से जागरण किया गया। इस अवसर पर चेयरमैन राजकुमार अग्रवाल, पूर्व चेयरमैन राकेश शर्मा, अभिषेक पाराशर, अनिल अग्रवाल, चुन्नीलाल, प्रताप भगत, सत्यप्रकाश और संजय अग्रवाल आदि मौजूद थे।

नकल में कोर्ट ने दी अदालत उठने तक की सजा

यूनिक समय, मथुरा। हाई स्कूल की परीक्षा में नकल सामग्री के साथ एक अभियुक्त को कोर्ट ने अदालत उठने तक की सजा और एक हजार के अर्थदंड से दंडित किया है। नौहझील पुलिस ने हाईस्कूल की परीक्षा में नकल करने के आरोप में नौशेरपुर थाना नौहझील निवासी भूरा के खिलाफ अभियोग दर्ज करके उसके खिलाफ आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित किया था। मुकदमे की सुनवाई एसीजेएम प्रथम के न्यायालय में हुई। एसीजेएम ने अभियुक्त को उक्त सजा से दंडित किया।

किसान दिवस कल

यूनिक समय, मथुरा। उप कृषि निदेशक ने किसानों को बताया है किसान दिवस का आयोजन 19 अगस्त को दोपहर 12 बजे कृषि विज्ञान केन्द्र के सभागार में किया जाएगा, जिसमें कृषकों की कृषि से जुड़ी समस्याओं का मौके पर ही निदान किया जाएगा, कृषि वैज्ञानिकों द्वारा नवीन तकनीकी की जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी।

कोसीकलां पहुंची समरसता संकल्प कलश यात्रा

यूनिक समय, कोसीकलां। संत शिरोमणि गुरु रविदास की 650वीं जन्म जयंती पर जन्मस्थान वाराणसी के गोवर्धनदास पुरा से निकाली गई समरसता संकल्प कलश यात्रा नगर में पहुंची, जहां बाईपास पर भारतीय जनता पार्टी के मंडल अध्यक्ष सौरभ जैन के नेतृत्व में यात्रा का स्वागत कर कलश का पूजन किया। पालिकाध्यक्ष धर्मवीर अग्रवाल ने कहा कि संत रविदास ने समाज को समरसता, समानता और सामाजिक एकता का संदेश दिया।

मंडल अध्यक्ष सौरभ जैन ने कहा कि समरसता संकल्प कलश यात्रा का उद्देश्य समाज में भेदभाव मिटाकर आपसी भाईचारे और मानवता का संदेश जन–जन तक पहुंचाना है। इस अवसर पर उपाध्यक्ष सतवीर भास्कर, अनुसूचित मोर्चा के जिलाध्यक्ष सतीश वाल्मीकि, पूर्व सभासद हरिकिशन बड़गुर्जर, चरण सिंह, अंबेडकर सभा के नेता सीआर वर्मा, मूलचंद कर्दम सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता-गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

सुविचार

दूसरों की खुशियों में मुस्कुराना सीखिए यही दिल को सबसे सुंदर सुकून देता है।

कल का पंचांग

तिथि	अष्टमी	07:19-09:18 तक	**पक्ष**	शुक्ल पक्ष
नक्षत्र	विशाखा	06:46-09:08 तक	**माह**	श्रावण
सूर्योदय		5:56 AM	**चन्द्रोदय**	01:06 PM
सूर्यास्त		6:48 PM	**चंद्रास्त**	11:30 PM
सूर्य राशि		सिंह राशि	**चंद्र**	तुला राशि
शुभ मुहूर्त		11:58AM –12:51 PM	**ब्रहम् मुहूर्त**	04:20-05:08
त्योहार/व्रत			**विक्रम संवत्**	2083
राहुकाल		01:59 PM: 03:35 PM	**वार**	बुधवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8.00 से दोपहर 01.30 बजे तक और शाम 4.00 से रात 9.00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6.30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6.30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6.30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7.30 बजे तक।

कल का राशिफल

मेष: कल कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिलेंगी, आत्मविश्वास बढ़ेगा और पुराने प्रयासों का सकारात्मक परिणाम मिलने से मन प्रसन्न रहेगा।

वृषभ: कल आर्थिक मामलों में सावधानी रखें, परिवार का सहयोग मिलेगा और किसी पुराने मित्र से महत्वपूर्ण बातचीत संभव है।

मिथुन: कल आपकी रचनात्मक क्षमता निखरेगी, कार्यों में सफलता मिलेगी और विद्यार्थियों को पढ़ाई में अच्छे परिणाम मिलेंगे।

कर्क: कल पारिवारिक वातावरण सुखद रहेगा, नौकरी में प्रगति के अवसर मिलेंगे और महत्वपूर्ण निर्णय सोच–समझकर लेना बेहतर रहेगा।

सिंह: कल नेतृत्व क्षमता मजबूत होगी, कार्यस्थल पर सम्मान बढ़ेगा और धन संबंधी मामलों में लाभ मिलने की संभावना है।

कन्या: कल मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा, व्यापार में नए अवसर सामने आएंगे और स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही नहीं करें।

तुला: कल रिश्तों में मधुरता बढ़ेगी, आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और रुके हुए कार्यों को गति मिलने की संभावना है।

वृश्चिक: कल कार्यक्षेत्र में चुनौतियां रहेंगी, लेकिन आपकी सूझबूझ से समाधान मिलेगा और परिवार में खुशी का माहौल बनेगा।

धनु: कल यात्रा के योग बनेंगे, नए लोगों से संपर्क बढ़ेगा और व्यापारिक योजनाओं में सफलता मिलने की संभावना रहेगी।

मकर: कल नौकरी में जिम्मेदारियां बढ़ेंगी, अधिकारियों का सहयोग मिलेगा और आर्थिक स्थिति मजबूत करने के नए अवसर प्राप्त होंगे।

कुंभ: कल सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी, मित्रों से सहयोग मिलेगा और कोई महत्वपूर्ण समाचार आपके लिए खुशियां लेकर आ सकता है।

मीन: कल परिवार में सुख–शांति रहेगी, करियर संबंधी फैसले लाभदायक होंगे और धन निवेश में जल्दबाजी करने से बचें।

साल में एक बार खुलती है तिजोरी, ऐसे दिखता है सोने का झूला

आठ शताब्दी आठ सौ साल पुराना झूला आज भी बेहद सुरक्षित

गाय के दूध से जुड़ी है मंदिर की अनोखी कहानी

यूनिक समय, मथुरा। राजस्थान के नागौर स्थित प्रसिद्ध नगर सेठ श्री बंशीवाला मंदिर में वार्षिक झूलोत्सव शुरू होते ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगी है। मंदिर की सबसे खास पहचान करीब 800 वर्ष पुराना स्वर्णमंडित झूला है। मान्यता है कि इसी ऐतिहासिक झूले पर भगवान बंशीवाला को विराजमान कराया जाता है। झूले को पूरे साल सुरक्षित तिजोरी में रखा जाता है और साल में केवल एक बार झूलोत्सव के दौरान बाहर निकाला जाता है।

काठड़ियों के चौक स्थित इस मंदिर में झूलोत्सव के दौरान भगवान का विशेष श्रृंगार किया जाता है। शाम करीब सवा छह बजे से रात 10:30 बजे तक श्रद्धालुओं को झूले में विराजमान भगवान के दर्शन होते हैं। इस दौरान मंदिर परिसर भजन–कीर्तन और धार्मिक आयोजनों से भक्तिमय बना रहता है। मंदिर से जुड़ी जानकारी के अनुसार, यह झूला दुर्लभ लकड़ी से तैयार किया गया है और इस पर सोने की बारीक कलात्मक परत चढ़ी हुई है। इसकी एक खास विशेषता दोनों मुख्य खंभों पर बने 12 छोटे–छोटे उप–झूले हैं। दावा किया जाता है कि करीब आठ शताब्दियों के इतिहास में झूले को अब तक मरम्मत की जरूरत नहीं पड़ी।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

झूले को तिजोरी से बाहर निकालने के बाद उसके 100 से अधिक छोटे–बड़े हिस्सों को निर्धारित क्रम में जोड़ा जाता है। इस पूरी प्रक्रिया में कारीगरों को करीब डेढ़ घंटे का समय लगता है। सदियों पुरानी संरचना होने के कारण इसे स्थापित करते समय विशेष सावधानी बरती जाती है। मंदिर की स्थापना से जुड़ी एक प्राचीन मान्यता भी बेहद रोचक है। पुजारी के अनुसार, पहले इस स्थान पर पहाड़ी क्षेत्र था, जहां गायें चरने आती थीं। इनमें से एक गाय एक निश्चित स्थान पर अपने आप दूध गिरा देती थी। जब लोगों ने इसका रहस्य जानने के लिए उसका पीछा किया तो जमीन के नीचे शिवलिंग होने की बात सामने आई। इसके बाद खुदाई में शिवलिंग मिलने की मान्यता है और यहां पातालेश्वर महादेव मंदिर की स्थापना हुई। बाद में श्री बंशीवाला मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण के साथ राधा और रुक्मिणी की प्रतिमाएं स्थापित की गईं। यही वजह है कि मंदिर की धार्मिक परंपरा और ऐतिहासिक झूला आज भी श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण बने हुए हैं।

मनी प्लांट से ज्यादा शुभ माना जाता है कुबेराक्षी पौधा

यूनिक समय, मथुरा। वास्तु शास्त्र में पेड़–पौधों को घर की सकारात्मक ऊर्जा से जोड़कर देखा जाता है। इन्हीं में जेड प्लांट यानी क्रासुला को धन और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। कई जगह इसे कुबेराक्षी, धन चुंबक या लकी प्लांट भी कहा जाता है। हालांकि, इससे धन आने की बात धार्मिक और वास्तु मान्यताओं पर आधारित है, इसका कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है।

वास्तु के अनुसार जेड प्लांट को घर की उत्तर दिशा में रखना शुभ माना जाता है। उत्तर दिशा को धन के देवता कुबेर से संबंधित माना जाता है। मान्यता है कि इस दिशा में स्वस्थ और हरा–भरा पौधा रखने से घर में समृद्धि और सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है।

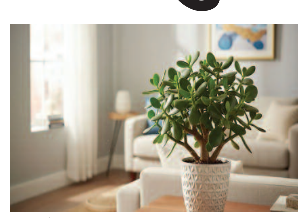

नौकरी या कारोबार में तरक्की के लिए इसे उत्तर या पूर्व दिशा में रखने की सलाह दी जाती है। ऐसी जगह चुननी चाहिए जहां पर्याप्त प्राकृतिक रोशनी आती हो। पौधे की पत्तियां साफ और स्वस्थ रखना भी जरूरी माना जाता है।

जेड प्लांट को घर के ऐसे स्थान पर रखा जा सकता है, जहां परिवार के सदस्य अधिक समय बिताते हों। वास्तु मान्यताओं के अनुसार इससे घर में सकारात्मक माहौल और आपसी सौहार्द बढ़ता है। इसकी हरियाली घर को आकर्षक बनाने के साथ वातावरण को भी खुशनुमा बना सकती है। इस पौधे को कम पानी की जरूरत होती है। ज्यादा पानी देने से इसकी जड़ें खराब हो सकती हैं। वास्तु मान्यताओं में इसे बेडरूम, बाथरूम, शौचालय और रसोई में रखने से बचने की सलाह दी जाती है। पौधा कहां रखा जाए, यह घर की परिस्थितियों और व्यक्तिगत पसंद पर भी निर्भर करता है।

कुबेर दिशा में पौधा रखने से धन लाभ की है मान्यता

परिवार में सुख, शांति के लिए ऐसे रखें पौधा

सिरहाने के पास दवाइयां रखना वास्तु में क्यों माना है अशुभ

यूनिक समय, मथुरा। वास्तु शास्त्र में घर की अलग–अलग वस्तुओं को रखने के लिए कुछ नियम बताए गए हैं। मान्यता है कि दवाइयों को गलत जगह रखने से घर में नकारात्मक ऊर्जा बढ़ सकती है। खासतौर पर दवाइयों को बिस्तर या सिरहाने के पास रखने से बचने की सलाह दी जाती है। हालांकि, ये बातें वास्तु मान्यताओं पर आधारित हैं, इनका वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है।

वास्तु के अनुसार दवाइयां बीमारी से जुड़ी वस्तु मानी जाती हैं। इसलिए इन्हें सोने की जगह के आसपास रखने को शुभ नहीं माना जाता। मान्यता है कि इससे बेचैनी, तनाव और चिंता बढ़ सकती है। दवाइयों को तकिए के नीचे रखने से भी बचना चाहिए।

वास्तु मान्यताओं के अनुसार दवाइयों को रसोई, पूजा स्थल और धन रखने वाली जगह से दूर रखना चाहिए। इनके लिए साफ–सुथरी और व्यवस्थित अलमारी को बेहतर स्थान माना जाता है। दवाइयां ऐसी जगह रखें, जहां बच्चों की पहुंच न हो और जरूरत पड़ने पर आसानी से मिल सकें।

रसोई पूजा और तिजोरी से दवाइयां रखें दूर

राहु की महादशा में इन शुभ रंगों का करें इस्तेमाल

यूनिक समय, मथुरा। ज्योतिष शास्त्र में राहु को छाया ग्रह माना गया है, जिसका संबंध रहस्य, भ्रम और अचानक होने वाले बदलावों से जोड़ा जाता है। मान्यता है कि कुंडली में राहु के प्रतिकूल प्रभाव या उसकी महादशा के दौरान व्यक्ति को मानसिक तनाव, निर्णय लेने में परेशानी, काम में रुकावट और नकारात्मक परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार, ऐसे समय में राहु से जुड़े शुभ रंगों का इस्तेमाल सकारात्मक प्रभाव बढ़ाने के उपाय के तौर पर किया जा सकता है।

ज्योतिष के अनुसार खाकी या भूरा रंग राहु से जुड़ा माना जाता है। इसका संबंध मिट्टी और धुएं से जोड़ा जाता है, जो राहु की रहस्यमयी प्रकृति का प्रतीक माना जाता है। इसके अलावा स्मोकी ग्रे या धुंधला स्लेटी रंग भी राहु का प्रिय रंग बताया जाता है। गहरा नीला या नेवी ब्लू भी राहु से संबंधित रंगों में शामिल किया जाता है। यह रंग शनि से भी जुड़ा माना जाता है, इसलिए ज्योतिष में इसे राहु की ऊर्जा को संतुलित करने वाला बताया जाता है।

राहु के प्रिय रंग जीवन में सकारात्मकता लाएं

इन चमकीले रंगों से दूरी बनाने की सलाह

मल्टी–कलर्ड या चित्तीदार रंगों को भी राहु की अनिश्चित और बहुरूपी प्रकृति से जोड़ा जाता है।

मान्यता है कि इन रंगों के इस्तेमाल से मन में स्पष्टता और निर्णय क्षमता बेहतर हो सकती है।

हालांकि, ये ज्योतिषीय मान्यताएं हैं, इनके प्रभाव का वैज्ञानिक प्रमाण उपलब्ध नहीं है।

इन रंगों को कपड़ों, रूमाल, जूते, घड़ी या रोजमर्रा की दूसरी वस्तुओं में शामिल किया जा सकता है। ज्योतिषीय सलाह के अनुसार राहु के प्रभाव से परेशान लोगों को बहुत चमकीले और भड़कीले रंगों से बचने की सलाह दी जाती है। खास तौर पर गहरा लाल, चटकीला नारंगी, चमकदार नियॉन और अत्यधिक गहरे काले रंग से परहेज करने की बात कही जाती है। ज्योतिष में माना जाता है कि ऐसे रंग क्रोध, तनाव, नकारात्मकता या बेचैनी को बढ़ा सकते हैं। हालांकि, केवल रंगों के आधार पर किसी व्यक्ति के जीवन में होने वाली घटनाओं का निश्चित अनुमान लगाना उचित नहीं है।

सम्पादकीय

सांप के जहर का नशा जिंदगी पर भारी है यह सौदा

नशे की दुनिया भी गजब की है। इंसान ने शराब से लेकर गोलियों तक सब आजमा लिया, अब कुछ लोग सांप के जहर में भी नशे का नया रोमांच तलाश रहे हैं। उत्तर प्रदेश और दिल्ली–एनसीआर में सामने आई जांच ने कथित तौर पर ऐसे नेटवर्क की ओर इशारा किया है, जहां सांप के डंक को नशे के लिए इस्तेमाल करने की बातें सामने आईं। सवाल यह है कि आखिर नशे के लिए इंसान अपनी जिंदगी के साथ इतना बड़ा मजाक क्यों करने लगा है?

सबसे हैरान करने वाली बात इस कथित कारोबार की भाषा है। सप्लायर से जहर की मात्रा कम करने और असर बनाए रखने की बात की जाती है। कीमत हजारों रुपये बताई जाती है। यानी अब मौत का खतरा भी शायद ग्राहक की जरूरत के हिसाब से पैक होकर मिलने लगा है। 'नशा चाहिए, मौत नहीं' वाली सोच कुछ ऐसी लगती है, जैसे कोई ग्राहक रेस्टोरेंट में कह रहा हो–मिर्च पूरी रखना, जलन बिल्कुल नहीं चाहिए।

पवन गौतम
संपादक

लेकिन शरीर कोई रसोई नहीं है कि जहर की मात्रा कम–ज्यादा करके मनचाहा परिणाम मिल जाए। सांप का विष गंभीर असर डाल सकता है। सांस लेने में परेशानी, बेहोशी, पक्षाघात और मौत तक का खतरा रहता है। फिर भी कोई इसे रोमांच मानकर आजमाए तो सवाल सांप से ज्यादा इंसान की समझ पर उठता है।

स्कैन करें

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

विडंबना देखिए, सांप से आम आदमी बचकर चलता है और कुछ लोग उसी सांप को नशे का साधन बनाने की तलाश में घूम रहे हैं। सांप ने अपना जहर रक्षा के लिए रखा था, लेकिन इंसान ने उसमें भी बाजार खोज लिया। नशे का कारोबार हमेशा खतरे को फैशन बनाकर बेचता है। पहले कहा जाता है कि यह नया है, फिर खास है और अंत में आदत बन जाती है। ऐसे मामलों में केवल सप्लायर पकड़ना पर्याप्त नहीं होगा। यह समझना भी जरूरी है कि युवा इतने खतरनाक नशे की ओर क्यों आकर्षित हो रहे हैं। परिवार, समाज और प्रशासन को मिलकर नशे के खिलाफ जागरूकता बढ़ानी होगी। आखिर सांप के जहर को कथित तौर पर कम करने की कोई तरकीब जिंदगी की गारंटी नहीं दे सकती। असली इलाज जहर को हल्का करना नहीं, उस सोच को बदलना है जो कुछ घंटों के नशे के लिए पूरी जिंदगी दांव पर लगाने को तैयार है। सांप खतरनाक जरूर है, लेकिन उससे भी ज्यादा खतरनाक वह इंसानी सनक है, जो मौत को भी मनोरंजन समझने लगे।

नजरिया

भारत की चुनावी व्यवस्था पर ट्रम्प क्यों हुए फिदा!

बोध प्रकाश सगुणी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का भारत की चुनाव व्यवस्था की तारीफ करना केवल दो देशों की चुनावी प्रणालियों की तुलना भर नहीं है। इसके पीछे अमेरिका में लंबे समय से चल रही उस राजनीतिक बहस की झलक भी दिखाई देती है, जिसमें मतदाता की पहचान, नागरिकता के प्रमाण और चुनाव की विश्वसनीयता जैसे मुद्दे लगातार चर्चा में रहे हैं। ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया मंच ट्रूथ सोशल पर भारत की व्यवस्था का उल्लेख करते हुए अमेरिका में फोटो पहचान पत्र के बिना मतदान को लेकर सवाल उठाया और 'सेव अमेरिका एक्ट' को पारित कराने की अपील की। उनका संदेश स्पष्ट है कि वे अमेरिकी चुनाव प्रक्रिया में पहचान सत्यापन को और मजबूत बनाना चाहते हैं।

भारत का चुनावी मॉडल दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक अभ्यासों में से एक है। यहां करोड़ों मतदाता चुनाव प्रक्रिया में हिस्सा लेते हैं और मतदान के दौरान मतदाता की पहचान सुनिश्चित करने के लिए निर्धारित पहचान दस्तावेजों का इस्तेमाल किया जाता है। मतदाता सूची, पहचान सत्यापन और मतदान केंद्र की प्रक्रिया को इस तरह तैयार किया गया है कि एक मतदाता एक ही बार मतदान कर सके। यही व्यवस्था ट्रम्प के लिए आकर्षण का विषय बनी है। हालांकि, किसी एक देश की चुनाव प्रणाली को दूसरे देश में सीधे लागू करना इतना आसान नहीं होता। दोनों देशों की राजनीतिक संरचना, कानून और प्रशासनिक व्यवस्था में काफी अंतर है।

अमेरिका में चुनावों की जिम्मेदारी केंद्र के बजाय मुख्य रूप से राज्यों के पास होती है। अलग–अलग राज्यों में मतदाता पंजीकरण, पहचान सत्यापन, डाक मतदान और मतदान केंद्र से जुड़े नियमों में अंतर देखने को मिलता है। यही वजह है कि पूरे अमेरिका में एक समान चुनावी नियम लागू करना राजनीतिक और कानूनी दोनों स्तरों पर चुनौतीपूर्ण है। ट्रम्प का 'सेव अमेरिका एक्ट' इसी जटिल व्यवस्था में एकरूपता और कड़ाई लाने की कोशिश के रूप में देखा जा सकता है।

इस प्रस्ताव के समर्थकों का सबसे बड़ा तर्क चुनावी सुरक्षा है। उनका मानना है कि जब मतदाता की पहचान और नागरिकता का प्रमाण स्पष्ट रूप से सामने होगा, तो चुनाव में संभावित धोखाधड़ी की गुंजाइश कम होगी। मतदान केंद्र पर फोटो पहचान पत्र दिखाने की अनिवार्यता से यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि वास्तविक मतदाता ही अपने नाम पर वोट डाल रहा है। इसी आधार पर ट्रम्प लगातार सख्त चुनावी नियमों की मांग करते रहे हैं।

लेकिन लोकतंत्र में केवल सुरक्षा ही महत्वपूर्ण नहीं होती। मतदान तक हर पात्र नागरिक की आसान पहुंच भी उतनी ही जरूरी है। यही वह बिंदु है जहां 'सेव अमेरिका एक्ट' को लेकर विरोध शुरू होता है। आलोचकों का तर्क है कि यदि मतदाता पंजीकरण और मतदान के लिए नागरिकता तथा पहचान के अतिरिक्त दस्तावेज अनिवार्य किए जाते हैं, तो उन नागरिकों के लिए मुश्किल पैदा हो सकती है जिनके पास जरूरी दस्तावेज उपलब्ध नहीं हैं। बुजुर्ग, कम आय वाले नागरिक या ऐसे लोग जिनके दस्तावेजों में विसंगति है, उन्हें अतिरिक्त प्रक्रिया से गुजरना पड़ सकता है।

बाइपार्टिसन पॉलिसी सेंटर के अनुसार, अमेरिका में करीब 12 प्रतिशत पंजीकृत मतदाताओं के पास आम तौर पर स्वीकार किए जाने वाले दस्तावेजी प्रमाण उपलब्ध नहीं हैं। यह आंकड़ा बताता है कि पहचान संबंधी नियमों को सख्त करने का प्रभाव केवल उन लोगों पर नहीं पड़ेगा जो चुनावी गड़बड़ी कर सकते हैं, बल्कि उन पात्र मतदाताओं पर भी पड़ सकता है जो दस्तावेजी कारणों से मतदान करने में कठिनाई महसूस करते हैं। इसलिए चुनावी सुधार का सवाल केवल 'फर्जी मतदान रोकने' तक सीमित नहीं रह जाता, बल्कि 'किसी पात्र नागरिक को मतदान से न रोका जाए' तक भी पहुंचता है।

भारत और अमेरिका की तुलना करते समय एक और महत्वपूर्ण अंतर समझना जरूरी है। भारत में चुनाव आयोग के पास चुनाव संचालन को लेकर व्यापक केंद्रीय भूमिका है। वहीं अमेरिका में राज्यों की भूमिका काफी मजबूत है। इसलिए भारत में काम करने वाली किसी व्यवस्था को अमेरिका में लागू करने के लिए वहां के संघीय ढांचे और राज्य कानूनों को ध्यान में रखना होगा। सिर्फ यह कहना कि भारत में फोटो पहचान के साथ मतदान होता है और अमेरिका में भी वही होना चाहिए, समस्या का पूरा समाधान नहीं है। दुनिया के दूसरे लोकतांत्रिक देशों का अनुभव भी यही बताता है कि मतदाता पहचान के लिए एक ही मॉडल जरूरी नहीं है। ब्रिटेन में कुछ चुनावों में फोटो पहचान पत्र की आवश्यकता होती है, जबकि कुछ स्थानीय चुनावों में अलग नियम लागू हो सकते हैं। कनाडा में भी पहचान और पता साबित करने के लिए वैकल्पिक दस्तावेजों की व्यवस्था है। कुछ परिस्थितियों में पहचान पत्र उपलब्ध न होने पर दूसरे मतदाता की पुष्टि के जरिए मतदान की अनुमति दी जा सकती है। इसका अर्थ है कि चुनावी पारदर्शिता और मतदाता सुविधा के बीच संतुलन बनाने के कई तरीके संभव हैं।

ट्रम्प की मांग को इसी व्यापक संदर्भ में देखना चाहिए। चुनावी प्रक्रिया में जनता का विश्वास लोकतंत्र की सबसे बड़ी पूंजी है। यदि मतदाताओं को लगता है कि चुनाव निष्पक्ष और सुरक्षित हैं, तो चुनाव परिणामों की स्वीकार्यता भी मजबूत होती है। लेकिन इसके साथ यह भी जरूरी है कि सुरक्षा के नाम पर पात्र मतदाताओं के लिए मतदान की राह अनावश्यक रूप से कठिन न हो।

'सेव अमेरिका एक्ट' को लेकर असली बहस इसलिए फोटो पहचान पत्र से आगे जाती है। सवाल यह है कि अमेरिका चुनावी सुरक्षा किस स्तर तक बढ़ाना चाहता है और उसके बदले मतदाताओं पर कितना प्रशासनिक बोझ डालने को तैयार है। यदि सरकार सख्त पहचान व्यवस्था लागू करती है, तो उसे यह भी सुनिश्चित करना होगा कि हर पात्र नागरिक को आवश्यक पहचान दस्तावेज आसानी से मिल सकें। अन्यथा नियम कागज पर तो मजबूत दिखाई देंगे, लेकिन व्यवहार में मतदान की भागीदारी प्रभावित हो सकती है।

भारत के संदर्भ में भी ट्रम्प की टिप्पणी को आत्ममुग्धता के बजाय आत्ममंथन के अवसर के रूप में देखना चाहिए। किसी विदेशी नेता की प्रशंसा निश्चित रूप से उत्साह बढ़ाती है, लेकिन चुनावी व्यवस्था की मजबूती केवल पहचान पत्र से तय नहीं होती। मतदाता सूची की शुद्धता, चुनाव आयोग की स्वतंत्रता, मतदान केंद्रों की व्यवस्था, मतदान की गोपनीयता, राजनीतिक दलों के आचरण और मतगणना की पारदर्शिता–ये सभी लोकतांत्रिक चुनाव की विश्वसनीयता के आधार हैं।

ट्रम्प ने भारत की जिस व्यवस्था को अमेरिकी बहस में उदाहरण बनाया है, वह भारत के लिए उपलब्धि का विषय जरूर है, लेकिन लोकतंत्र की असली सफलता इस बात में है कि आम नागरिक अपने वोट को सुरक्षित, स्वतंत्र और सम्मानजनक तरीके से इस्तेमाल कर सके। अमेरिका में भी यही लक्ष्य होना चाहिए। फोटो पहचान पत्र चुनावी सुरक्षा का एक साधन हो सकता है, लेकिन लोकतांत्रिक व्यवस्था की पूरी मजबूती का पैमाना नहीं। ट्रम्प की टिप्पणी ने एक महत्वपूर्ण बहस जरूर छेड़ी है–चुनाव कितने सुरक्षित हों और साथ ही कितने सहज भी। यही संतुलन किसी भी मजबूत लोकतंत्र की असली पहचान है।

विचार विंडो

संसद में शोर ज्यादा, काम कम, जनता किससे मांगे हिसाब

नीरज दुबे

संसद लोकतंत्र का वह मंच है जहां देश के सबसे बड़े और गंभीर सवालों पर चर्चा होनी चाहिए। जनता अपने प्रतिनिधियों को इसलिए चुनकर भेजती है कि वे बेरोजगारी, महंगाई, शिक्षा, स्वास्थ्य, किसान, सड़क, रेल और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे मुद्दों पर सरकार से सवाल करें। लेकिन मानसून सत्र के आंकड़े सामने आने के बाद तस्वीर चिंताजनक दिखाई देती है। राज्यसभा की उत्पादकता 39.17 प्रतिशत और लोकसभा की करीब 19 प्रतिशत रही। सवाल सीधा है–अगर संसद ही अपेक्षित समय तक नहीं चली तो जनता के मुद्दों पर बहस कब हुई?

किसी परीक्षा में 19 प्रतिशत अंक हासिल करने वाला विद्यार्थी सामान्य तौर पर पास होने की उम्मीद नहीं कर सकता। फिर संसद की कार्यवाही के इतने कम उत्पादकता प्रतिशत को सामान्य कैसे माना जाए? निश्चित रूप से संसद और परीक्षा की तुलना पूरी तरह समान नहीं है, लेकिन यह उदाहरण जनता की निराशा को समझने के लिए पर्याप्त है। सांसदों के पास अपने क्षेत्र की समस्याओं की लंबी सूची होती है। कोई किसान की परेशानी लेकर आता है, कोई रोजगार की समस्या, कोई अस्पतालों की बदहाली, कोई रेल और सड़क की मांग। लेकिन जब सदन की कार्यवाही लगातार बाधित होती है तो इन सवालों को उठाने का अवसर भी खत्म हो जाता है। नुकसान सरकार का जितना है, उससे कहीं ज्यादा उस मतदाता का है जिसने अपने प्रतिनिधि पर भरोसा किया।

विरोध लोकतंत्र का अधिकार है। विपक्ष का काम सरकार को घेरना भी है और उससे जवाब मांगना भी। लेकिन सवाल यह है कि सरकार को घेरने के लिए संसद को ही रोक देना कितना प्रभावी तरीका है? यदि किसी मुद्दे पर सरकार से जवाब चाहिए तो सांसद प्रश्नकाल में सवाल पूछ सकते हैं। चर्चा की मांग कर सकते हैं। मंत्री के जवाब के बाद उस पर आपत्ति दर्ज कर सकते हैं। आंकड़ों के साथ सरकार को कठघरे में खड़ा कर सकते हैं। लेकिन यदि सदन की कार्यवाही ही नहीं चलेगी तो सवाल पूछे जाएंगे कैसे और जवाब सुने जाएंगे कैसे?

राज्यसभा में बड़ी संख्या में प्रश्न और शून्यकाल के विषय सूचीबद्ध थे, लेकिन व्यवधान के कारण उनका बड़ा हिस्सा सदन में नहीं आ सका। इसका अर्थ है कि जिन मुद्दों को लेकर सांसद तैयारी करके आए थे, उनमें से अनेक जनता के सामने बहस का विषय ही नहीं बन पाए। राजनीतिक विरोध जितना गंभीर होगा, उसका तरीका भी उतना ही प्रभावी होना चाहिए। संसद की कार्यवाही रोकना कुछ समय के लिए राजनीतिक संदेश जरूर दे सकता है, लेकिन लंबे समय में इससे जनता का नुकसान होता है। कल्पना कीजिए कि किसी सांसद के क्षेत्र में अस्पताल में डॉक्टर नहीं हैं, किसी गांव में सड़क नहीं बनी या किसानों की कोई बड़ी समस्या है। सांसद उस विषय को सदन में उठाना चाहता है, लेकिन सदन लगातार स्थगित हो रहा है। क्या उस सांसद और उसके मतदाताओं के साथ न्याय हुआ? विपक्ष के पास सरकार को घेरने के अनेक संसदीय हथियार हैं। बहस में मजबूत तर्क सरकार को राजनीतिक रूप से अधिक कठिन स्थिति में डाल सकते हैं। इसलिए विपक्ष को भी यह तय करना होगा कि वह संसद में अपनी आवाज बुलंद करना चाहता है या अपनी ही आवाज को हंगामे में दबाना चाहता है। संसद नहीं चलने की जिम्मेदारी केवल विपक्ष की नहीं हो सकती। सत्ता पक्ष भी इस व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है। सरकार के पास बहुमत है, लेकिन लोकतंत्र केवल बहुमत के आधार पर नहीं चलता। विपक्ष की असहमति को सुनना और उसे जवाब देना भी सरकार की जिम्मेदारी है। महत्वपूर्ण विधेयकों पर पर्याप्त चर्चा होनी चाहिए। विपक्ष को अपनी बात रखने का अवसर मिलना चाहिए। सरकार को भी यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कानून जल्दबाजी में पारित होने के बजाय व्यापक विचार–विमर्श के बाद बनाए जाएं। यदि सरकार केवल यह कहकर संतुष्ट हो जाए कि उसके विधेयक पारित हो गए, तो यह संसदीय लोकतंत्र की पूरी तस्वीर नहीं होगी। कानून की गुणवत्ता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी उसकी संख्या। संसद की उत्पादकता को लेकर हर सत्र के बाद सार्वजनिक रिपोर्ट कार्ड क्यों नहीं होना चाहिए? प्रत्येक सांसद ने कितने सवाल पूछे, कितनी बहस में भाग लिया, कितनी बार सदन में उपस्थित रहा और कितनी बार व्यवधान का हिस्सा बना–इन आंकड़ों को जनता के सामने रखने में क्या परेशानी है?

'नो वर्क, नो पे' जैसी व्यवस्था पर राजनीतिक और संवैधानिक बहस हो सकती है, लेकिन प्रदर्शन आधारित पारदर्शिता तो निश्चित रूप से बढ़ाई जा सकती है। मतदाता को पता होना चाहिए कि उसका प्रतिनिधि संसद में वास्तव में कितना सक्रिय रहा। सांसदों को भी समझना होगा कि संसद की कार्यवाही केवल उनका कार्यस्थल नहीं, जनता के भरोसे का स्थान है। यहां होने वाला हर मिनट देश के लोकतांत्रिक संसाधनों से जुड़ा है।

आज का मतदाता पहले से अधिक जागरूक है। वह चुनाव के समय केवल भाषण नहीं सुनता, बल्कि अपने प्रतिनिधि के काम का हिसाब भी देखता है। सामाजिक माध्यमों और सार्वजनिक आंकड़ों के दौर में यह छिपाना मुश्किल है कि किस सांसद ने कितना काम किया और किसने सदन की कार्यवाही में कितना योगदान दिया। इसलिए संसद के भीतर होने वाला हर व्यवधान अंततः जनता की नजर में आता है। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों को यह समझना होगा कि चुनाव के समय जनता उनसे सवाल पूछेगी। लोकसभा की करीब 19 प्रतिशत और राज्यसभा की 39.17 प्रतिशत उत्पादकता केवल आंकड़े नहीं हैं। ये संसदीय कार्यसंस्कृति पर सवाल हैं। लोकतंत्र में असहमति जरूरी है, सरकार से सवाल जरूरी हैं और विरोध भी जरूरी है, लेकिन इन सबके लिए संसद को चलाना उससे भी ज्यादा जरूरी है।

संसद में शोर हो सकता है, तीखी बहस हो सकती है, सरकार और विपक्ष आमने–सामने हो सकते हैं–लेकिन अंत में जनता को यह महसूस होना चाहिए कि उसके प्रतिनिधि उसके मुद्दों के लिए लड़ रहे हैं। यदि सदन ही नहीं चलेगा तो सवाल कौन पूछेगा, जवाब कौन देगा और कानूनों की समीक्षा कौन करेगा?

अब समय है कि सरकार और विपक्ष दोनों आत्ममंथन करें। क्योंकि अगली बार जनता केवल यह नहीं पूछेगी कि किसने किसे हराया, बल्कि यह पूछेगी–मेरे सांसद ने मेरे लिए संसद में किया क्या?

खेल सितारों के नाम की सूची जारी

अर्जुन अवॉर्ड का ऐलान : तेजस्विन शंकर समेत 17 खिलाड़ी होंगे सम्मानित

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत सरकार ने नेशनल स्पोर्ट्स अवॉर्ड 2025 के लिए पुरस्कारों का ऐलान कर दिया है। इस बार अलग-अलग खेलों में शानदार प्रदर्शन करने वाले 17 खिलाड़ियों को अर्जुन अवॉर्ड के लिए चुना गया है। एथलेटिक्स, बैडमिंटन, बॉक्सिंग, शतरंज, हॉकी, शूटिंग, कबड्डी, रोइंग और पैरा स्पोर्ट्स समेत कई खेलों के खिलाड़ियों को इस प्रतिष्ठित सम्मान के लिए चुना गया है। इसके साथ ही द्रोणाचार्य अवॉर्ड के लिए कोचों के नामों की भी घोषणा की गई है। खेल मंत्रालय के मुताबिक पुरस्कारों का चयन एक विशेष समिति की सिफारिशों के आधार पर किया गया है। इस चयन समिति की अध्यक्षता सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस (रिटायर्ड) अरुण कुमार मिश्रा ने की। राष्ट्रीय खेल पुरस्कार हर साल उन खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और संस्थाओं को दिए जाते हैं, जिन्होंने खेलों में उल्लेखनीय योगदान दिया हो।

अर्जुन अवॉर्ड पाने वालों में एथलेटिक्स से तेजस्विन शंकर, मुहम्मद अजमल वी और प्रियंका गोस्वामी शामिल हैं। बैडमिंटन में ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद को सम्मान के लिए चुना गया है। बॉक्सिंग में नरेंद्र, जबकि शतरंज में विदित संतोष गुजराती और दिव्या जितेंद्र देशमुख को अर्जुन अवॉर्ड मिलेगा। डेफ शूटिंग में धनुष श्रीकांत, हॉकी में लालरेमसियामी और राजकुमार पाल, कबड्डी में सुरजीत और पूजा को चुना गया है। पैरा-शूटिंग में रुद्रांश खंडेलवाल, पैरा-एथलेटिक्स में एकता भयान, रोइंग में अरविंद सिंह और शूटिंग में अखिल श्योराण भी इस प्रतिष्ठित सूची का हिस्सा हैं।

इस बार लाइफटाइम अर्जुन अवॉर्ड के लिए फुटबॉल से आई अरुमैनायगम का चयन किया गया है। यह सम्मान उन खिलाड़ियों को दिया जाता है, जिन्होंने अपने सक्रिय करियर में शानदार प्रदर्शन के साथ संन्यास के बाद भी खेलों के विकास में योगदान दिया। कोचों के लिए भी द्रोणाचार्य अवॉर्ड की घोषणा की गई है। नियमित श्रेणी में एथलेटिक्स के परवीर सिंह, बॉक्सिंग के छोटे लाल यादव और शूटिंग की नेहा नंदकुमार चव्हाण को चुना गया है। वहीं लाइफटाइम कैटेगरी में बॉक्सिंग के धर्मेंद्र सिंह यादव और कुश्ती के वीरेंद्र कुमार सम्मानित होंगे। इन पुरस्कारों के जरिए देश के उन खिलाड़ियों और कोचों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दी जाती है, जिनकी मेहनत और उपलब्धियों ने भारतीय खेलों को नई ऊंचाई दी है। इस साल की सूची में ओलंपिक खेलों के साथ-साथ पैरा और डेफ स्पोर्ट्स के खिलाड़ियों की मौजूदगी भी भारतीय खेल जगत की बढ़ती विविधता को दर्शाती है।

क्या नयनतारा ने सच में मुंडवाया सिर

तिरुपति की वायरल तस्वीरों का खुला राज

यूनिक समय, नई दिल्ली। सोशल मीडिया पर अभिनेत्री नयनतारा की कुछ तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही हैं, जिनमें वह पूरी तरह गंजे नजर आ रही हैं। दावा किया जा रहा है कि फिल्म 'टॉक्सिक' की रिलीज से पहले नयनतारा ने तिरुमाला तिरुपति मंदिर में जाकर अपना सिर मुंडवाया है। हालांकि, पड़ताल में यह दावा पूरी तरह फर्जी सामने आया है।

वायरल तस्वीरों को ध्यान से देखने पर पता चलता है कि इनके साथ डिजिटल एडिटिंग की गई है। बताया जा रहा है कि एआई और फोटो एडिटिंग तकनीक की मदद से नयनतारा के बालों को तस्वीर से हटा दिया गया। खास बात यह है कि तस्वीर में उनके कपड़े और कानों के झुमके उनकी पुरानी मंदिर यात्रा की असली तस्वीरों से मेल खाते हैं। दरअसल, ये तस्वीरें अप्रैल 2026 की हैं, जब नयनतारा अपने पति और फिल्ममेकर विग्नेश शिवन के साथ तिरुमाला मंदिर पहुंची थीं।

उस समय की मूल तस्वीरों में नयनतारा के बाल बिल्कुल सामान्य दिखाई दे रहे थे। शरारती तत्वों ने इन्हीं तस्वीरों में बदलाव करके उन्हें गंजा दिखाया और फिर सोशल मीडिया पर यह दावा फैलाया कि उन्होंने मंदिर में अपने बाल दान किए हैं। नयनतारा के सिर मुंडवाने को लेकर अब तक कोई आधिकारिक या विश्वसनीय जानकारी भी सामने नहीं आई है। ऐसे में वायरल तस्वीरों को सच मानना सही नहीं होगा।

वहीं, नयनतारा इन दिनों अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'टॉक्सिक' को लेकर भी सुर्खियों में हैं। यश स्टारर इस फिल्म का निर्देशन गीथू मोहनदास ने किया है। फिल्म में कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया, रुक्मिणी वसंत और हुमा कुरैशी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगी।

फिल्म की कहानी गोवा की पृष्ठभूमि में पनप रहे खतरनाक ड्रग्स सिंडिकेट के इर्द-गिर्द घूमती है। 'टॉक्सिक' 26 अगस्त 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। ऐसे में रिलीज से पहले नयनतारा की यह फर्जी तस्वीरें सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय जरूर बनीं, लेकिन उपलब्ध जानकारी के मुताबिक उनके सिर मुंडवाने का दावा पूरी तरह गलत है।

सानिया मिर्जा के दुबई विला की शाही झलक

सलमान खान की हाथों से बनी पेंटिंग ने खींचा सबका ध्यान

यूनिक समय, नई दिल्ली। टेनिस स्टार सानिया मिर्जा की जिंदगी जितनी शानदार उनके खेल के मैदान पर रही है, उतना ही दिलचस्प उनका दुबई स्थित आलीशान विला भी है। हाल ही में अभिनेत्री अर्चना पूरन सिंह अपने पति परमीत सेठी और बेटों के साथ सानिया के घर पहुंचीं, जहां उन्हें इस खूबसूरत घर की खास झलक देखने को मिली। घर का इंटीरियर सानिया की पसंद, परिवार की यादों और उनकी उपलब्धियों का खूबसूरत मिश्रण नजर आता है।

घर में गोल्ड, व्हाइट, ऑफ-व्हाइट, पीच और रॉयल ब्लू जैसे रंगों का इस्तेमाल किया गया है। मुख्य लिविंग रूम में बड़ा झूमर, सुनहरे वॉलपेपर, एंटीक सजावटी सामान और खूबसूरत कालीन इसे रॉयल लुक देते हैं। दीवारों पर उर्दू नक्काशी वाले फ्रेम भी नजर आते हैं, जो घर को एक व्यक्तिगत और रूहानी एहसास देते हैं। खास बात यह है कि सानिया ने घर का इंटीरियर किसी प्रोफेशनल डिजाइनर से नहीं, बल्कि अपनी पसंद के मुताबिक खुद तैयार कराया है।

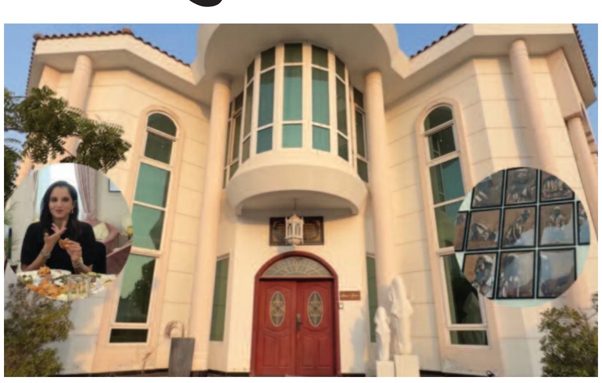

घर में एक इन्फॉर्मल लिविंग एरिया भी है, जहां परिवार टीवी देखता है और साथ में समय बिताता है। यहां सानिया और उनके बेटे इजहान से जुड़ी तस्वीरें और फैंस की बनाई पेंटिंग्स भी सजी हैं। वहीं, एक गेस्ट रूम ब्लैक एंड व्हाइट थीम पर डिजाइन किया गया है। इसकी सबसे खास चीज वह पेंटिंग है, जिसमें नमाज अदा करते व्यक्ति को दिखाया गया है। सानिया ने बताया कि यह पेंटिंग उन्हें सलमान खान ने अपने हाथों से बनाकर गिफ्ट की थी।

सानिया के घर का शो किचन भी काफी अनोखा है। यहां खाना बनाने के बजाय कॉफी बनाई जाती है और इसी जगह टेबल टेनिस की व्यवस्था भी है। असली किचन स्विमिंग पूल के पास बने आउटडोर हिस्से में है। बाहर बच्चों के खेलने के लिए बड़ी जगह, गज़ेबो और खेल का मैदान मौजूद है, जहां इजहान फुटबॉल और टेनिस खेलता है।

इजहान का कमरा भी किसी सपनों की दुनिया से कम नहीं। यहां प्लेस्टेशन, फॉसबॉल टेबल, ड्रम सेट और फुटबॉल शेप का बीन बैग है। उसकी ट्रॉफियां और मेडल्स अलग डिस्प्ले में रखे गए हैं।

घर का सबसे शांत हिस्सा सानिया की इबादतगाह है, जहां परिवार नमाज और कुरआन की तिलावत करता है। रमजान में यहीं इफ्तार भी होता है। इसके अलावा घर में सानिया के पद्म श्री समेत कई सम्मान भी सहेजकर रखे गए हैं। सानिया आज दुबई में रहने के साथ हैदराबाद में अपनी टेनिस एकेडमी भी चला रही हैं। उनका लक्ष्य नई पीढ़ी के खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं देना है, ताकि उन्हें उन मुश्किल परिस्थितियों से न गुजरना पड़े, जिनका सामना उन्होंने अपने शुरुआती टेनिस करियर में किया था।

स्वतंत्रता दिवस समारोह में तृषा-विजय की सलामी पर सियासी बवाल

यूनिक समय, नई दिल्ली। तमिलनाडु की राजनीति में अभिनेता से नेता बने मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय एक बार फिर चर्चा में हैं। स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान अभिनेत्री तृषा कृष्णन की मौजूदगी और मुख्यमंत्री के साथ उनके अभिवादन को लेकर डीएमके ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। पार्टी के मुखपत्र 'मुरसोली' में प्रकाशित संपादकीय में विजय की आलोचना करते हुए समारोह की व्यवस्था और उनके व्यवहार पर सवाल उठाए गए हैं। फोर्ट सेंट जॉर्ज में आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान तृषा कृष्णन मुख्यमंत्री विजय के माता-पिता एसए चंद्रशेखर और शोभा चंद्रशेखर के साथ पहली पंक्ति में बैठी नजर आईं। कार्यक्रम के दौरान विजय और तृषा ने एक-दूसरे का अभिवादन भी किया। इसी दृश्य को लेकर डीएमके ने मुख्यमंत्री पर निशाना साधा है। पार्टी के मुखपत्र में इसे मुख्यमंत्री पद की गरिमा के अनुरूप नहीं बताया गया और सवाल किया गया कि आधिकारिक कार्यक्रम में अभिनेत्री को इस तरह प्रमुख स्थान क्यों दिया गया। डीएमके के संपादकीय में आरोप लगाया गया कि विजय का व्यवहार स्वतंत्रता दिवस जैसे महत्वपूर्ण सरकारी समारोह की मर्यादा के खिलाफ था। पार्टी ने कहा कि मुख्यमंत्री को सार्वजनिक कार्यक्रमों में अपने पद की गरिमा और प्रोटोकॉल का ध्यान रखना चाहिए। हालांकि, विजय या उनकी पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम की ओर से इस आलोचना पर अब तक कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। वहीं विजय की निजी जिंदगी भी हाल के महीनों में चर्चा का विषय रही है। उनकी पत्नी संगीता द्वारा तलाक की अर्जी वापस लेने के बाद मामले ने नया मोड़ लिया है। हालांकि, निजी जीवन से जुड़े दावों को लेकर कई तरह की अटकलें सामने आती रही हैं। ऐसे में स्वतंत्रता दिवस समारोह का यह विवाद विजय के लिए राजनीतिक और सार्वजनिक दोनों स्तरों पर चर्चा का नया मुद्दा बन गया है।

गॉल टेस्ट में श्रीलंका को बड़ा झटका, चांदीमल चोट के कारण बाहर

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत और श्रीलंका के बीच गॉल में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच के दौरान श्रीलंकाई टीम की प्लेइंग इलेवन में बड़ा बदलाव करना पड़ा। अनुभवी बल्लेबाज दिनेश चांदीमल फील्डिंग के दौरान चोटिल होकर मुकाबले से बाहर हो गए, जिसके बाद उनकी जगह पासिंदु सूरियाबंदारा को कनकशन सब्स्टीट्यूट के तौर पर टीम में शामिल किया गया। सूरियाबंदारा के लिए यह टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू है और उन्हें मैच के बीच अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना पहला टेस्ट खेलने का मौका मिला है। भारतीय टीम की दूसरी पारी के दौरान चांदीमल मिड-विकेट से डीप स्क्वायर लेग की तरफ दौड़ रहे थे। बाउंड्री के पास गेंद को रोकने के लिए उन्होंने डाइव लगाई, लेकिन इस दौरान उनके कंधे, गर्दन

और सिर के आसपास चोट लगी। चोट लगने के बाद वह काफी असहज नजर आए और कई बार गर्दन तथा कंधे को पकड़ते दिखाई दिए। श्रीलंका क्रिकेट ने एहतियात के तौर पर उन्हें स्कैन के लिए अस्पताल भेजा। स्कैन के बाद उनकी रिपोर्ट सामान्य बताई गई और किसी अंदरूनी चोट के संकेत नहीं मिले। इसके बावजूद उनकी स्थिति को देखते हुए उन्हें आगे मैच में उतारने का जोखिम नहीं लिया गया। उनकी जगह टीम में शामिल किए गए पासिंदु सूरियाबंदारा के पास घरेलू क्रिकेट का अच्छा अनुभव है। उन्होंने 68 फर्स्ट क्लास मैचों में 54.36 की औसत से 4893 रन बनाए हैं और उनके नाम 14 शतक भी दर्ज हैं। ऐसे में अब सबकी नजरें उनके टेस्ट डेब्यू पर टिकी हैं। वहीं मुकाबले की बात करें तो भारतीय टीम की दूसरी पारी उम्मीद के मुताबिक नहीं रही। चौथे दिन भारत की पूरी टीम 193 रन पर ऑलआउट हो गई। ऋषभ पंत ने सबसे ज्यादा 66 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली, जबकि पहली पारी में शतक जड़ने वाले देवदत्त पडिक्कल ने 44 रन बनाए। इसके अलावा भारतीय बल्लेबाज श्रीलंकाई गेंदबाजों के सामने ज्यादा देर टिक नहीं सके। श्रीलंका की ओर से असिता फर्नांडो ने चार विकेट लेकर भारतीय बल्लेबाजी की कमर तोड़ी, जबकि प्रभात जयसूर्या ने तीन विकेट हासिल किए। दोनों गेंदबाजों की शानदार गेंदबाजी के कारण भारत की दूसरी पारी तेजी से सिमट गई। अब गॉल टेस्ट में सूरियाबंदारा की एंट्री मुकाबले को और दिलचस्प बना देती है। एक तरफ श्रीलंका को चांदीमल की कमी खलेगी, वहीं युवा बल्लेबाज के पास अपने डेब्यू टेस्ट में टीम के लिए अहम योगदान देने का बड़ा मौका है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी केस में एसआईटी की रिपोर्ट पर उठे सवाल

छोटे कर्मियों पर शिकंजा बड़े लोग बचाए जा रहे हैं

यूनिक समय, अयोध्या। अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे की रकम की कथित चोरी के मामले में विशेष जांच टीम की अंतिम रिपोर्ट को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। रिपोर्ट में आठ कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई का उल्लेख है, जबकि ट्रस्ट के तत्कालीन प्रमुख पदाधिकारियों चंपत राय और डॉ. अनिल मिश्रा की आपराधिक जिम्मेदारी तय नहीं की गई है। इससे जांच की निष्पक्षता और जवाबदेही को लेकर बहस तेज हो गई है।

मामले में अविनाश शुक्ला, अनुकल्प मिश्रा, लवकुश मिश्रा, मनीष कुमार यादव, करुणेश पांडेय, रमाशंकर मिश्रा, सुभाष श्रीवास्तव और रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू के खिलाफ कार्रवाई हुई है। प्रारंभिक जांच में नकदी की कथित हेराफेरी और व्यवस्था में खामियों की बात सामने आई थी। जांच से जुड़े सवालों में यह भी शामिल है कि यदि चढ़ावे की रकम की सुरक्षा व्यवस्था में गंभीर कमियां थीं, तो निगरानी की जिम्मेदारी किसकी थी। रिपोर्ट के मुताबिक कर्मचारियों की तलाशी, नकदी की आवाजाही और निर्धारित मानक संचालन प्रक्रिया में खामियों की बात सामने आई थी। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि कथित चोरी केवल कर्मचारियों की गतिविधियों तक सीमित थी या निगरानी व्यवस्था में भी लापरवाही हुई। यदि लंबे समय तक अनियमितताएं होती रहीं, तो जिम्मेदार अधिकारियों और पदाधिकारियों की भूमिका की भी समीक्षा जरूरी मानी जा रही है।

रिपोर्ट में चंपत राय और अनिल मिश्रा का नाम नहीं

मामले में जांच एजेंसियों ने कर्मचारियों की भूमिका के साथ सुरक्षा और गणना व्यवस्था से जुड़े पहलुओं की भी पड़ताल की। अब सवाल यह है कि प्रारंभिक जांच में सामने आई कमियों का अंतिम रिपोर्ट में क्या निष्कर्ष निकाला गया।

रिपोर्ट को लेकर यह भी पूछा जा रहा है कि बड़े पदाधिकारियों की जिम्मेदारी तय नहीं करने का आधार क्या रहा। मंदिर ट्रस्ट की आगामी बैठक और न्यायिक प्रक्रिया में रिपोर्ट के निष्कर्षों पर आगे चर्चा होने की संभावना है। फिलहाल जांच रिपोर्ट सामने आने के बाद मामले में पारदर्शिता और जवाबदेही को लेकर सवाल बने हुए हैं।

पारिवारिक विवाद में रिटायर्ड फौजी ने साले को मारी गोली

यूनिक समय, प्रतापगढ़। प्रतापगढ़ के कोहंडौर थाना क्षेत्र में मंगलवार दोपहर पारिवारिक विवाद के चलते रिटायर्ड फौजी ने अपने साले की गोली मारकर हत्या कर दी। आरोपी कपिल यादव सुल्तानपुर से मदाफरपुर बाजार स्थित साले देवेंद्र यादव की मेडिकल स्टोर पर पहुंचा था। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक दोनों के बीच कहासुनी हुई, जिसके बाद आरोपी ने लाइसेंसी पिस्टल से फायरिंग कर दी। गोली लगने से देवेंद्र गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन उसे जिला अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया कि कपिल और उसकी पत्नी प्रियंका के बीच करीब छह महीने से विवाद चल रहा था। सोमवार को विवाद के बाद प्रियंका अपने भाई देवेंद्र के साथ बच्चों को लेकर मायके चली गई थी। इसी बात से नाराज होकर कपिल मंगलवार को उसे और बच्चों को वापस लेने पहुंचा था। आरोपी का कहना है कि उसे पहले धमकी मिली थी, इसलिए वह सुरक्षा के लिए जैकेट पहनकर आया था। हालांकि पुलिस पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है।

वारदात के बाद आरोपी ने मौके से भागने की कोशिश की, लेकिन आसपास मौजूद लोगों ने उसे पकड़ लिया। भीड़ ने उसे रस्सी से बांधकर

पत्नी को मायके ले जाने से नाराज था आरोपी

हत्या के बाद भागते आरोपी को भीड़ ने पकड़ा

पीटा। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह आरोपी को भीड़ से बचाया और अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस के मुताबिक आरोपी के पास लाइसेंसी पिस्टल थी। घटनास्थल से संबंधित साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। अधिकारियों के अनुसार हत्या के पीछे पारिवारिक विवाद मुख्य कारण माना जा रहा है।

सिद्धार्थनगर में सरकारी जमीन से मदरसा हटाया

सपा नेताओं ने कार्रवाई का विरोध किया

न्यायिक आदेश के बाद प्रशासन ने कार्रवाई की

यूनिक समय, लखनऊ। सिद्धार्थनगर के डुमरियागंज क्षेत्र में मंगलवार को प्रशासन ने सरकारी जमीन पर बने मस्जिद-मदरसे के कथित अवैध हिस्से पर बुलडोजर कार्रवाई की। अधिकारियों के अनुसार 14 हजार वर्गफीट परिसर में करीब 9 हजार वर्गफीट हिस्सा सरकारी जमीन पर बना था। कार्रवाई के दौरान छह बुलडोजर और करीब 100 पुलिसकर्मी तैनात रहे। करीब दो घंटे में सात कमरे, एक दुकान, मस्जिद और मदरसे का हिस्सा ढहा दिया गया। प्रशासन ने बताया कि निजी जमीन पर बने हिस्से को नहीं तोड़ा गया। कार्रवाई की जानकारी मिलने पर सपा विधायक सैय्यदा खातून, जिलाध्यक्ष लालजी यादव समेत कई कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे। उन्होंने ध्वस्तीकरण का विरोध करते हुए कार्रवाई रोकने की मांग की। इस दौरान पुलिस और सपा कार्यकर्ताओं के बीच तीखी बहस और धक्का-मुक्की हुई। पुलिस ने बैरिकेडिंग कर प्रदर्शनकारियों को कार्रवाई वाले क्षेत्र से दूर किया।

अधिकारियों के मुताबिक सरकारी जमीन से कब्जा हटाने का मामला कई वर्षों से चल रहा था। तहसीलदार के आदेश को मदरसा पक्ष ने चुनौती दी थी, लेकिन 14 अगस्त को जिलाधिकारी ने पूर्व आदेश बरकरार रखा। इसके बाद प्रशासन ने कब्जा हटाने की कार्रवाई की। अधिकारियों ने कहा कि कार्रवाई न्यायिक आदेशों के अनुपालन में की गई है।

फिटनेस वाली दरोगा आपत्तिजनक वीडियो से हुई निलंबित

यूनिक समय, मेरठ। सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट करने के मामले में महिला दरोगा अन्नू रानी के खिलाफ कार्रवाई की गई है। अधिकारियों ने उन्हें निलंबित कर दिया है। आरोप है कि दरोगा सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक वीडियो साझा करती थीं और कमाई के लिए भुगतान का क्यूआर कोड भी पोस्ट करती थीं। मामला सामने आने के बाद विभागीय स्तर पर जांच शुरू कर दी गई है। बताया गया कि अन्नू रानी फिटनेस को लेकर काफी सक्रिय थीं और सोशल मीडिया पर नियमित रूप से वीडियो साझा करती थीं। इनमें कुछ वीडियो को लेकर आपत्ति जताई गई। शिकायत और जानकारी अधिकारियों तक पहुंचने के बाद मामले का संज्ञान लिया गया।

यूपी में भारी बारिश से 30 शहर जलमग्न, स्कूल बंद

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मानसूनी बारिश ने मंगलवार को कई जिलों में जनजीवन प्रभावित कर दिया। लखनऊ, सहारनपुर, प्रतापगढ़, संभल समेत करीब 30 शहरों में तड़के से रुक-रुककर बारिश जारी रही। कई इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई। प्रतापगढ़ के लालगंज तहसील, कोतवाली, प्राथमिक विद्यालय और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में करीब दो फीट तक पानी भर गया। संभल में बस अड्डा और सरकारी अस्पताल भी जलभराव की चपेट में आ गए। कौशांबी और भदोही में सड़कें पानी से लबालब हो गईं। भारी बारिश की चेतावनी के मद्देनजर प्रयागराज, प्रतापगढ़, मिर्जापुर, कौशांबी, भदोही, हरदोई, अमेठी और जौनपुर समेत 10 जिलों में स्कूल बंद कर दिए गए। प्रदेश की कई नदियों में जलस्तर बढ़ने से

बारिश से कई जिलों में जनजीवन प्रभावित हुआ

काशी में घाट डूबे, अंतिम संस्कार का स्थान बदला

तटीय इलाकों में खतरा बढ़ गया है। कानपुर और उन्नाव में सैकड़ों घरों में पानी घुस गया। चित्रकूट में मंदाकिनी और बरदहा नदियों का जलस्तर बढ़ने से रामघाट की सीढ़ियां डूब गईं।

वाराणसी में गंगा का पानी घाटों के किनारे बने मंदिरों तक पहुंच गया। मणिकर्णिका घाट का रत्नेश्वर महादेव मंदिर और दशाश्वमेध घाट का ब्रह्मेश्वर महादेव मंदिर काफी हिस्से तक पानी में डूब गए। मौसम विभाग ने प्रदेश के सभी जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है।

डेयरी कार्रवाई के दौरान पुलिस पर हमला

यूनिक समय, लखनऊ। लखनऊ के पारा क्षेत्र में अवैध डेयरियों के खिलाफ कार्रवाई करने पहुंची नगर निगम और पुलिस टीम पर हमला किए जाने का मामला सामने आया है।

आरोप है कि प्रदर्शनकारियों ने पथराव किया और बुद्धेश्वर चौकी प्रभारी दरोगा विनय पटेल के साथ मारपीट की। पुलिस के मुताबिक दरोगा पर लोहे की जंजीर से हमला किया गया, जिससे उनके सिर में चोट आई और छह टांके लगाने पड़े। नगर निगम के तीन कर्मचारी भी घायल हुए, जबकि सरकारी वाहनों के शीशे क्षतिग्रस्त किए गए।

मामले में पुलिस ने 12 नामजद और 12 अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। दो आरोपी महिलाओं को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

अन्य आरोपियों की तलाश में पुलिस दबिश दे रही है और घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।

हमले के बाद मंगलवार को नगर निगम ने तीन थानों की पुलिस और पीएसी के साथ दोबारा अभियान चलाया।

सुरक्षा के लिए जवान हेलमेट और सुरक्षा जैकेट पहनकर पहुंचे। कार्रवाई के दौरान पारा के चार मोहल्लों से करीब 200 भैंसें पकड़कर नगर निगम की टीम ले गई। अधिकारियों ने अवैध डेयरियों के खिलाफ अभियान जारी रखने की बात कही।

घटना के बाद महापौर सुषमा खर्कवाल और नगर आयुक्त गौरव

फिर चला अवैध डेयरियों के खिलाफ अभियान

दोषियों पर होगी सख्त कार्रवाई: महापौर

अभियान में भारी पुलिस बल मौजूद

24 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

कुमार भी मौके पर पहुंचे। महापौर ने पुलिस और नगर निगम की टीम पर हमले को गंभीर बताते हुए कहा कि सरकारी कार्य में बाधा डालने वालों के खिलाफ कार्रवाई होगी। प्रशासन का कहना है कि क्षेत्र में अवैध डेयरियों को हटाने और नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए अभियान आगे भी जारी रहेगा।

आगरा में फिल्म बंटवारा के विरोध में प्रदर्शन

यूनिक समय, लखनऊ। आगरा में फिल्म 'बंटवारा' के विरोध में योगी यूथ ब्रिगेड के कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। राजपुर चुंगी स्थित पन्ना सिनेमा के बाहर संगठन के प्रदेश अध्यक्ष कुंवर अजय तोमर के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने फिल्म के पोस्टर जलाए और नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने अभिनेता सनी देओल और निर्माता आमिर खान के पोस्टर भी जलाकर फिल्म पर रोक लगाने की मांग की।

संगठन के पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि फिल्म में हिंदू समाज को गलत तरीके से प्रस्तुत किया गया है। उन्होंने कहा कि विभाजन की त्रासदी से जुड़ी घटनाओं को संवेदनशीलता के साथ दिखाया जाना चाहिए। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने जय श्रीराम, भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारे लगाए। प्रदर्शनकारियों ने सरकार से फिल्म की समीक्षा कर उचित कार्रवाई की मांग की।

सुप्रीम कोर्ट में दिल्ली पुलिस का हलफनामा

सीजेपी का संसद मार्च था गैरकानूनी

पुलिस ने बल प्रयोग को बताया जरूरी और सीमित

पुलिस का दावा- हिस्ट्रीशीटर शामिल हुए, बैरिकेड तोड़े लेकिन हमने ज्यादा बल प्रयोग नहीं किया

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल हलफनामे में 20 जुलाई के संसद मार्च को गैरकानूनी बताया है। पुलिस के अनुसार प्रदर्शन के लिए अनुमति नहीं ली गई थी। जंतर-मंतर और आसपास करीब 30 हजार प्रदर्शनकारी मौजूद थे। पुलिस का दावा है कि भीड़ में कुछ ऐसे लोग भी शामिल थे, जिनके खिलाफ पहले से आपराधिक मामले दर्ज हैं।

पुलिस के मुताबिक प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड तोड़े और सुरक्षाकर्मियों के साथ धक्का-मुक्की तथा मारपीट की। स्थिति बिगड़ने के बाद भीड़ को नियंत्रित करने के लिए बल प्रयोग और आंसू गैस का इस्तेमाल किया गया। पुलिस ने अदालत से कहा कि कार्रवाई जरूरत के मुताबिक की गई और अत्यधिक बल प्रयोग नहीं हुआ।

भीड़ संभालने के लिए करीब पांच हजार पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई थी। झड़प में 240 से अधिक पुलिसकर्मी और करीब 200 प्रदर्शनकारी घायल होने की जानकारी हलफनामे में दी गई है। पुलिस ने दावा किया कि प्रदर्शन के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखना बड़ी चुनौती थी।

कील वाली लाठियों के आरोपों पर पुलिस ने कहा कि याचिकाओं में चुनिंदा तस्वीरों, अधूरे वीडियो और अपुष्ट रिपोर्टों का इस्तेमाल किया गया। पुलिस के अनुसार उपलब्ध वीडियो में ऐसी लाठी से जुड़ी एक घटना दिखाई देती है और उसमें लाठी प्रदर्शनकारी के हाथ में थी। पुलिस ने यह भी बताया कि विशेष शाखा, अपराध शाखा और अन्य इकाइयों के जवान सादे कपड़ों में भीड़ के बीच तैनात थे। इसे सामान्य सुरक्षा व्यवस्था का हिस्सा बताया गया है। हलफनामे के अनुसार 2,873 प्रदर्शनकारियों पर हत्या, हत्या के प्रयास, डकैती, दुष्कर्म और पॉक्सो जैसे गंभीर मामले दर्ज हैं। पुलिस ने कहा कि ऐसे लोगों की पहचान और जांच के लिए विशेष जांच दल काम करेगा। चेहरा पहचान तकनीक के इस्तेमाल पर पुलिस ने स्पष्ट किया कि इसका उद्देश्य शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों की निगरानी करना नहीं है। गंभीर आपराधिक रिकॉर्ड वाले लोगों की पहचान के बाद मैदानी सत्यापन किया जाता है। पुलिस ने प्रस्तावित न्यायिक समिति के साथ सहयोग करने की बात भी कही है।

जंतर-मंतर प्रदर्शन पर रिजिजू ने पुलिस कार्रवाई का किया बचाव

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने जंतर-मंतर प्रदर्शन को लेकर दिल्ली पुलिस की कार्रवाई का बचाव किया। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारियों के बावजूद पुलिस की कार्रवाई में किसी की जान नहीं गई और गंभीर चोट की स्थिति नहीं बनी।

रिजिजू ने कहा कि सरकार को युवाओं की बात सुननी चाहिए, क्योंकि जेन-जी देश के अपने बच्चे हैं। उनके मुताबिक युवाओं से संवाद बनाए रखना जरूरी है, ताकि उनकी चिंताओं और मांगों को समझा जा सके।

पुलिस ज्यादती, जांच समिति गठित करेगा सुप्रीम कोर्ट

पूर्व जज और वरिष्ठ पुलिस अधिकारी होंगे शामिल

छात्रों के अधिकारों पर भी कोर्ट ने दिया जोर

यूनिक समय, नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में 20 जुलाई के संसद मार्च के दौरान प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस ज्यादती के आरोपों की जांच के लिए उच्चस्तरीय समिति बनाने की बात कही है। समिति प्रदर्शन के दौरान बने वीडियो और सीसीटीवी फुटेज की जांच करेगी। महिला प्रदर्शनकारियों को निशाना बनाए जाने के आरोप भी जांच के दायरे में होंगे।

पीठ ने कहा कि समिति में पूर्व न्यायाधीश, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो के पूर्व निदेशक और किसी राज्य के पूर्व पुलिस महानिदेशक को शामिल किया जा सकता है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ बुधवार को समिति के गठन को लेकर आदेश जारी कर सकती है। कोर्ट ने अधिकारियों से संबंधित सभी रिकॉर्ड समिति को उपलब्ध कराने की बात कही है।

सुनवाई के दौरान अदालत ने प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज मामलों की जानकारी मांगी। पीठ ने कहा कि छात्रों का भविष्य महत्वपूर्ण है और उन्हें संविधान के तहत शांतिपूर्ण विरोध का अधिकार प्राप्त है।

हिमाचल में घटेगी अधिकारियों की फौज, खर्च भी घटेगा

आईएएस, आईएफएस पद घटाने की तैयारी में सरकार

कम अधिकारियों से योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन

यूनिक समय, नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश सरकार ने प्रशासनिक खर्च कम करने के लिए भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस), भारतीय वन सेवा (आईएफएस) और भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के अधिकारियों की संख्या घटाने की योजना बनाई है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के अनुसार, राज्य में जरूरत से अधिक अधिकारी होने के कारण सरकारी खजाने पर अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है।

वर्तमान में हिमाचल में 153 आईएएस अधिकारियों का संवर्ग है, जिसे घटाकर 130 करने का प्रस्ताव है।

मुख्यमंत्री का कहना है कि भविष्य में इसे 110 तक लाया जा सकता है। इसी तरह आईएफएस अधिकारियों की संख्या 118 से घटाकर 83 करने का प्रस्ताव है। आईपीएस अधिकारियों की संख्या कितनी घटाई जाएगी, इस पर अभी अंतिम निर्णय नहीं हुआ है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार को अधिकारियों की बड़ी संख्या नहीं, बल्कि प्रभावी काम करने वाले अधिकारियों की जरूरत है। संवर्ग घटाने से राजस्व खर्च में करीब 100 से 150 करोड़ रुपये की कमी आने का दावा किया गया है। सरकार केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर जाने वाले अधिकारियों को अनुमति देती रहेगी।

अधिकारियों के अनुसार, संख्या घटाने का औपचारिक प्रस्ताव जल्द केंद्र सरकार को भेजा जाएगा। सरकार यह भी अनुरोध कर सकती है कि राज्य को आवश्यकता से अधिक अखिल भारतीय सेवा के अधिकारी आवंटित न किए जाएं।

कर्नाटक भर्ती घोटाले में ईडी ने 21 ठिकानों पर मारे छापे

रिश्वत और पेपर लीक के आरोपों की जांच जारी

उम्मीदवारों से लाखों रुपये मांगने का आरोप

यूनिक समय, नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय ने कर्नाटक लोक सेवा आयोग की पशु चिकित्सा अधिकारी भर्ती परीक्षा में कथित अनियमितताओं से जुड़े धनशोधन मामले में मंगलवार को बड़ी कार्रवाई की। एजेंसी ने कर्नाटक और गुजरात में करीब 21 ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया। इनमें आयोग के निलंबित अध्यक्ष शिवशंकरप्पा एस. साहूकार, सदस्य शांता होसमनी और कुछ कथित बिचौलियों के ठिकाने शामिल हैं। जांच एजेंसी ने बेंगलूरु, हासन, चित्रदुर्ग, दावणगेरे, रायचूर, कारवार, कलबुर्गी और बेलगावी समेत कई स्थानों पर तलाशी ली। गुजरात के अहमदाबाद में भी कुछ ठिकानों पर कार्रवाई हुई। ईडी के अनुसार मामला पशु चिकित्सा अधिकारी भर्ती के अंतिम चयन में कथित अनियमितताओं से जुड़ा है। जांच में आरोप है कि कुछ बिचौलियों ने चयन के लिए उम्मीदवारों से प्रति व्यक्ति 70 से 80 लाख रुपये तक की रिश्वत मांगी। शिकायतकर्ता ने कथित बातचीत की रिकॉर्डिंग भी पुलिस को सौंपी थी। ईडी पेपर लीक, उत्तर पुस्तिकाओं में कथित छेड़छाड़ और अधिकारियों के रिश्तेदारों के चयन में मदद के आरोपों की भी जांच कर रही है। एजेंसी ने धनशोधन रोकथाम कानून के तहत मामला दर्ज किया है।

सुप्रीम कोर्ट ने फांसी बदलने की याचिका खारिज की

केंद्र चाहे तो विशेषज्ञों से समीक्षा करा सकता है

याचिकाकर्ता ने कम पीड़ादायक विकल्प सुझाए थे

यूनिक समय, नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को मौत की सजा देने के लिए फांसी की मौजूदा व्यवस्था खत्म करने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि फिलहाल फांसी को असंवैधानिक घोषित करने का पर्याप्त आधार नहीं है। याचिका में फांसी को क्रूर और अमानवीय बताते हुए जहरीले इंजेक्शन या गोली मारने जैसे वैकल्पिक तरीकों की मांग की गई थी।

अदालत ने स्पष्ट किया कि भविष्य में ठोस वैज्ञानिक, चिकित्सकीय या अनुभवजन्य प्रमाण सामने आने पर इस व्यवस्था की दोबारा समीक्षा संभव है। केंद्र सरकार विशेषज्ञ समिति बनाकर यह भी जांच सकती है कि कोई वैकल्पिक तरीका दोषी को कम पीड़ा देने और उसकी गरिमा बनाए रखने में बेहतर है या नहीं।

याचिका में दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 354(5) को संविधान के अनुच्छेद 21 के खिलाफ बताया गया था। याचिकाकर्ता ने दावा किया कि फांसी की प्रक्रिया में अधिक समय लग सकता है, जबकि अन्य विकल्प अपेक्षाकृत कम समय में सजा पूरी कर सकते हैं। केंद्र ने पहले मौजूदा व्यवस्था को तेज और उचित बताया था।

जगन्नाथ मंदिर के शिखर पर चढ़ा नकाबपोश युवक

छत्तीसगढ़ निवासी युवक की हुई पहचान

मेडिकल जांच के बाद सुरक्षा पर उठे सवाल

यूनिक समय, नई दिल्ली। पुरी स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर में मंगलवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब एक नकाबपोश युवक मंदिर के ऊपरी हिस्से तक चढ़कर वहां बैठ गया। ऊंचाई पर युवक को देखकर श्रद्धालुओं और सुरक्षाकर्मियों में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर उसे सुरक्षित नीचे उतारा।

अधिकारियों के मुताबिक युवक की पहचान माधव गोपीनाथ नायक के रूप में हुई है, जो छत्तीसगढ़ का रहने वाला बताया जा रहा है। पूछताछ में उसने दावा किया कि एक बंदर उसका पर्स लेकर मंदिर की ओर चला गया था। पर्स वापस लेने के प्रयास में वह मंदिर के ऊपरी हिस्से तक पहुंच गया। हालांकि, वह इतनी ऊंचाई तक किस रास्ते से पहुंचा, इसकी जांच की जा रही है। घटना के बाद युवक को पुरी जिला मुख्यालय अस्पताल ले जाकर चिकित्सकीय परीक्षण कराया गया। अधिकारियों ने उसके परिवार से भी संपर्क किया। परिवार ने उसकी मानसिक स्थिति को लेकर आशंका जताई है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। घटना ने मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। जांच एजेंसियां यह पता लगा रही हैं कि युवक सुरक्षा घेरा पार कर मंदिर के ऊपरी हिस्से तक कैसे पहुंचा।

भाजपा ने तीन राज्यों के प्रभारी बदले, चुनावी तैयारी तेज

तावड़े को यूपी की कमान, संगठन मजबूत करने की चुनौती

पंजाब गुजरात में भी नए चेहरों पर भरोसा

यूनिक समय, नई दिल्ली। भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश, पंजाब और गुजरात के लिए नए प्रभारी और सह-प्रभारी नियुक्त किए। बिहार में पार्टी को चुनावी सफलता दिलाने वाले विनोद तावड़े को उत्तर प्रदेश का प्रभारी बनाया गया है। गुजरात के जगदीश पटेल को सह-प्रभारी की जिम्मेदारी मिली है। वहीं सतीश पूनिया को पंजाब और तरुण चुग को गुजरात का प्रभारी बनाया गया है।

विनोद तावड़े भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री हैं और हरियाणा तथा बिहार के प्रभारी रह चुके हैं। उनके नेतृत्व में 2025 में बिहार में भाजपा को चुनावी सफलता मिली थी। अब उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में संगठन को मजबूत करना और आगामी विधानसभा चुनाव के लिए रणनीति तैयार करना उनकी प्रमुख जिम्मेदारी होगी। जगदीश पटेल उनके साथ सह-प्रभारी के रूप में काम करेंगे।

सतीश पूनिया को पंजाब की जिम्मेदारी दी गई है। वह राजस्थान भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और हरियाणा प्रभारी रह चुके हैं। तरुण चुग को गुजरात का प्रभारी बनाया गया है, जहां भाजपा लगातार सत्ता में है। तीनों राज्यों में 2027 में विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं। ऐसे में नई नियुक्तियों को पार्टी की शुरुआती चुनावी तैयारियों और संगठनात्मक सक्रियता बढ़ाने की रणनीति माना जा रहा है।

चमोली के कल्पेश्वर मंदिर परिसर के पास पहुंचा भूस्खलन का मलबा

यूनिक समय, नई दिल्ली। चमोली जिले की उरगम घाटी में स्थित प्रसिद्ध कल्पेश्वर महादेव मंदिर के पास लगातार बारिश के बाद भूस्खलन हुआ। देर रात पहाड़ी से अचानक भारी मात्रा में मलबा और पत्थर नीचे आकर मंदिर परिसर में जमा हो गए। घटना के बाद स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और मलबा हटाने का काम शुरू किया। भूस्खलन के कारण मंदिर के आसपास रहने वाले लोगों और श्रद्धालुओं में चिंता बढ़ गई है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मंदिर परिसर और आसपास की पहाड़ी का तत्काल निरीक्षण कराने की मांग की है। साथ ही सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की अपील की गई है। चमोली के पर्वतीय क्षेत्रों में लगातार बारिश के कारण कई स्थानों पर भूस्खलन का खतरा बना हुआ है। चमोली में हाल ही में निर्माणाधीन जलविद्युत सुरंग में मलबा और पानी घुसने से आठ मजदूरों की मौत हुई थी।

राशन दुकानों पर अब मिलेगी बैठने की सुविधा

लाभार्थियों के लिए कुर्सियां, पानी और गुड़-पेठे से होगा स्वागत

यूनिक समय, मथुरा। सरकारी राशन लेने वाले लाभार्थियों के लिए, राशन वितरण व्यवस्था को सुविधाजनक बनाने की तैयारी की जा रही है। अब कार्ड धारकों को राशन की दुकानों पर घंटों लाइन में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार नहीं करना पड़ेगा। सरकार की योजना के तहत राशन दुकानों पर लाभार्थियों के बैठने की व्यवस्था की जाएगी। इसके साथ ही पीने के पानी का इंतजाम होगा और राशन लेने आने वालों का गुड़ या पेठे से मुंह मीठा कराया जाएगा।

जिले में बड़ी संख्या में पात्र परिवारों को हर महीने सरकारी राशन उपलब्ध कराया जाता है। मौजूदा व्यवस्था में कई जगह लाभार्थियों को राशन लेने के लिए दुकानों के बाहर लंबी कतारों में खड़ा होना पड़ता है। गर्मी और भीड़ के कारण बुजुर्गों, महिलाओं और अन्य लाभार्थियों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। सरकार की योजना के अनुसार, राशन की दुकानों पर करीब 25-25 कुर्सियां रखी जाएंगी। लाभार्थी अपनी बारी का इंतजार करते समय इन कुर्सियों पर बैठ सकेंगे। इससे दुकानों के बाहर भीड़ और अव्यवस्थित कतारों को कम करने में मदद मिलेगी। दुकानों पर पीने के पानी की भी व्यवस्था की जाएगी। राशन लेने आने वाले लोगों के लिए पानी के साथ गुड़ या पेठे की व्यवस्था भी की जाएगी। सरकार की ओर से इसके लिए बजट जारी किए जाने की जानकारी सामने आई है। इसका उद्देश्य राशन वितरण केंद्रों पर आने वाले लाभार्थियों को बेहतर सुविधाएं और सम्मानजनक माहौल उपलब्ध कराना है।

वर्तमान व्यवस्था में पात्र लाभार्थियों को निर्धारित मात्रा में खाद्यान्न उपलब्ध कराया जाता है। योजना के तहत पात्र गृहस्थी कार्ड पर प्रति व्यक्ति पांच किलो गेहूं और पांच किलो चावल दिए जाते हैं, जबकि अंत्योदय कार्ड धारकों को 35 किलो राशन मिलता है। जानकारों का कहना है कि नई सुविधाओं के जरिए सरकार राशन वितरण प्रणाली को अधिक व्यवस्थित और लाभार्थी हितैषी बनाने की दिशा में कदम बढ़ा रही है।

जिला पूर्ति अधिकारी संजीव सिंह ने बताया कि जो राशन दुकान अन्नपूर्णा भवनों में संचालित हैं, या संचालित होंगी, वहां बैठने का इंतजाम होगा, इसक लिए बजट आया है। गुड- पेठा खिलाने की जानकारी नहीं है। आरओ पानी के इंतजाम के लिए भी बजट मिल रहा है, यह सुविधा कराइ जाएगी।

ग्रामीण सफाई कर्मचारियों ने सेवा नियमावली बनाने की उठाई मांग

मांगों को लेकर विधायक पूरन प्रकाश को ज्ञापन देते पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ के पदाधिकारी।

यूनिक समय,मथुरा। उत्तर प्रदेश पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से ग्रामीण सफाई कर्मचारियों के लिए सेवा नियमावली बनाए जाने की मांग की है। मंगलवार को संघ के पदाधिकारियों ने इस बारे में विधायक पूरन प्रकाश को सीएम के नाम मांग पत्र भी दिया।

संघ की ओर से सीएम को भेजे गए मांग पत्र में कहा गया है कि ग्रामीण सफाई कर्मचारियों की भर्ती वर्ष 2008 में हुई थी, लेकिन आज तक उनकी सेवा नियमावली नहीं बनाई गई है। प्रदेश में करीब 1.08 लाख ग्रामीण सफाई कर्मचारी कार्यरत हैं और विभिन्न विभागों में कर्मचारियों के लिए सेवा नियमावली लागू है। संघ का कहना है कि ग्रामीण सफाई कर्मचारियों की नियुक्ति को लगभग 18 वर्ष पूरे हो चुके हैं, इसके बावजूद सेवा संबंधी नियम स्पष्ट नहीं किए गए हैं। संघ ने मुख्यमंत्री से कर्मचारियों के हित में जल्द से जल्द सेवा नियमावली बनाने की मांग की है। संघ पदाधिकारियों ने उम्मीद जताई कि सरकार इस मांग पर सकारात्मक निर्णय लेते हुए कर्मचारियों को राहत प्रदान करेगी। विधायक ने मांग पत्र को सीएम तक पहुंचाने का आश्वासन दिया।

मांग पत्र देने के अवसर पर जिलाध्यक्ष सत्यप्रकाश, प्रदेश उपाध्यक्ष- जिला महामंत्री जगत चौधरी, जिला संप्रेक्षक यादवेश, जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष विदेश कुमार, जिला उपाध्यक्ष धर्मेंद्र जाटव, हर गोविंद, लाल सिंह आदि मौजूद रहे।

टनकपुर-अछनेरा रेल सेवा 31 से होगी नियमित

यूनिक समय, मथुरा। 31 अगस्त से टनकपुर-अछनेरा ट्रेन का नियमित परिचालन शुरू होगा। इससे इस रूट पर आने-जाने वाले यात्रियों को अतिरिक्त सुविधा मिलेगी। रेल प्रशासन के अनुसार, 15094 टनकपुर से अछनेरा के लिए सुबह 4:05 बजे प्रस्थान करेगी और अछनेरा दोपहर 12:20 बजे पहुंचेगी। 15093 अछनेरा से टनकपुर के लिए अपराह्न 3:30 बजे रवाना होगी और रात्रि रात 11:45 बजे टनकपुर पहुंचेगी। इस ट्रेन के मुख्य ठहराव वाले रेलवे स्टेशनों में टनकपुर से बनबसा, खटीमा, पीलीभीत जंक्शन, भोजीपुरा, इज्जतनगर, बरेली सिटी, बरेली जंक्शन, बदायूं, उझानी, सोरो शूकर क्षेत्र, कासगंज, सिकंदरा राऊ, हाथरस सिटी, मथुरा कैंट और मथुरा जंक्शन होंगे। मथुरा से अछनेरा ट्रेन जाएगी। इस ट्रेन में आठ जनरल, छह चेयर कार, एक अन्य चेयर कार, एक जनरेटर कार, एक दिव्यांग सह गार्ड कोच होंगे। माना जा रहा है कि टनकपुर से अछनेरा के बीच सफर करने वाले यात्रियों के लिए यह अहम बदलाव है।

बिना सूचना ड्यूटी से गायब संविदा चालकों को अंतिम चेतावनी

छह माह की उपस्थिति जांच में खुली पोल

ड्यूटी पर नहीं लौटे तो समाप्त होगी संविदा

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा डिपो में लंबे समय से बिना सूचना ड्यूटी से अनुपस्थित चल रहे संविदा चालकों के खिलाफ उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम ने सख्त रुख अपनाया है। वाहन निर्धारण प्रभारी की रिपोर्ट के आधार पर ऐसे चालकों की छह माह की उपस्थिति और अनुपस्थिति की जांच की गई है। विभाग ने संबंधित चालकों को तत्काल ड्यूटी पर लौटने की अंतिम चेतावनी दी है।

विभागीय रिपोर्ट के अनुसार, अशोक कुमार, बनी सिंह, श्याम बाबू, हेमंत सैनी, ओमप्रकाश सिंह, नंद किशोर, तुलाराम, अजय सैन और कन्हैया सिंह की निर्धारित अवधि में उपस्थिति बेहद कम रही। इनमें कुछ चालक लगातार कई दिनों तक बिना सूचना के ड्यूटी से गायब रहे। मार्च से अगस्त 2026 तक के रिकॉर्ड में उनकी उपस्थिति का विवरण दर्ज किया गया है। संबंधित चालकों ने अपने अनुबंध में तय शर्तों के अनुसार नियमित रूप से ड्यूटी नहीं की। लगातार अनुपस्थिति से बसों के संचालन की व्यवस्था प्रभावित हो रही है। इससे यात्रियों को भी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक केके आर्य ने निर्देश जारी कर संबंधित संविदा चालकों को तत्काल ड्यूटी पर उपस्थित होने को कहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बिना सूचना अनुपस्थित रहना अनुबंध की शर्तों का उल्लंघन है। ऐसे मामलों से निगम के बस संचालन में बाधा के साथ आर्थिक नुकसान की स्थिति भी बनती है। उन्होंने चेतावनी दी है कि अंतिम निर्देश के बाद भी यदि संबंधित चालक ड्यूटी पर नहीं लौटते हैं तो उनके खिलाफ अनुबंध समाप्त करने की कार्रवाई की जाएगी।

जुलूसे मुहम्मदी की तैयारियां सुरक्षा, सफाई व्यवस्था की मांग

जश्ने ईद मीलादुन्नबी इंतजामिया कमेटी के अध्यक्ष मुजीबुर रहमान और अन्य सदस्य।

यूनिक समय, मथुरा। जश्ने ईद मीलादुन्नबी इंतजामिया कमेटी के अध्यक्ष ने 26 अगस्त को निकाले जाने वाला जुलूसे मुहम्मदी पर होने वाले कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए प्रशासन से जुलूस के दौरान सुरक्षा, सफाई और जुलूस के मार्ग पर यातायात डायवर्जन करने आदि की मांग की। जश्ने ईद मीलादुन्नबी इंतजामिया कमेटी के अध्यक्ष मुजीबुर रहमान ने पत्रकारों को बताया कि 26 अगस्त को शहर में हजरत इस्लाम के संस्थापक हजरत मोहम्मद सल्ल लाहो अलेहे और सल्लम की योमे पैदाइश पर निकाले जाने वाले जुलूस में बड़ी संख्या में लोग शरीक होते हैं। जुलूस एक बजे मस्जिद जेबा, कल्लू- मल्लू के कारखाने से प्रारंभ होकर भरतपुर गेट, घीयामंडी, चौक बाजार, मंडीरामदास,डीग गेट होता हुआ दरेसी रोड पर कल्लू-मल्लू के कारखाने पर समाप्त होगा। उन्होंने प्रशासन से जुलूस के समय मार्ग पर वाहनों के आवागमन के लिए डायवर्जन और पार्किंग व्यवस्था किए जाने, मार्ग पर होने वाले अतिक्रमण को हटवाने, संवेदनशील स्थानों पर विशेष पुलिस बल तैनात करने, बिजली की तारों को ठीक कराने के साथ-साथ मार्ग में सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने का अनुरोध भी किया है। वार्ता के दौरान बुरहानुद्दीन, कासिम अपतारी, हाफिज रिहान, हाफिज ताहिर, जियान रजा, हाफिज शोएब, हाफिज निसार, हाफिज जियाउर रहमान ,मौलाना मजीद, मुफ्ती आसिफ, हाफिज इसहाक, हाफिज सलीम, मौला माजिद आदि उपस्थित रहे।

एचआईवी को लेकर भ्रांतियां दूर करने पर दिया जोर

एचआईवी कार्यक्रम का शुभारंभ करते सीएमएस नीरज अग्रवाल,डीटीओ डॉ.संजीव यादव, साथ हैं डॉ. सिद्धार्थ धनगर।

यूनिक समय, मथुरा। जिला चिकित्सालय में एचआईवी-एड्स के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए कार्यक्रम आयोजित हुआ। डॉक्टरों और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने मरीजों को समय पर जांच कराने और नियमित उपचार लेने की सलाह दी। साथ ही एचआईवी को लेकर समाज में फैली गलत धारणाओं को दूर करने पर जोर दिया गया।

सीएमएस डॉ. नीरज अग्रवाल ने कहा कि एचआईवी संक्रमित व्यक्ति के साथ भेदभाव नहीं किया जाना चाहिए। मरीजों की जांच और इलाज की जानकारी पूरी तरह गोपनीय रखी जाती है। समय पर जांच और नियमित दवा लेने से मरीज काफी हद तक सामान्य जीवन जी सकता है।

एआरटी सेंटर के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. सिद्धार्थ धनगर ने कहा कि सेंटर पर एचआईवी प्रभावित मरीजों को जांच, दवा और परामर्श की सुविधा दी जा रही है।

मरीज नियमित रूप से दवा लें और इलाज बीच में न छोड़ें, इसके लिए उन्हें लगातार जागरूक किया जाता है। उन्होंने कहा कि एचआईवी से बचाव के लिए जागरूकता और समय पर जांच सबसे जरूरी है। इस मौके पर डीटीओ डॉ. संजीव यादव, नोडल अधिकारी डॉ. रितुरंजन सहित अन्य चिकित्सक और स्वास्थ्यकर्मी मौजूद रहे।

वैदिक सनातन संस्कृति की रक्षा और आगे बढ़ाने का आह्वान

यूनिक समय, वृंदावन। श्री जयंती प्रसाद वैदिक विद्याश्रम ऋषिकुलम गोधूलि पुरम छात्रावास में गोलोकवासी जयंती प्रसाद अग्रवाल की 41 वीं पुण्यतिथि पर आयोजित ब्रज रज प्राप्ति महामहोत्सव का आयोजन किया।

अध्यक्षता करते हुए महेश बाबा ने वैदिक सनातन संस्कृति की रक्षा और सहयोग समेत आगे बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने सभी को नाम जप करने का आह्वान किया। श्याम नारायण पांडे ने कहा कि संसार में कर्म ही महान है। अघोर पीठ वाले बाल योगेश्वर आनंद गिरी ने श्री जयंती प्रसाद वैदिक

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को सम्मानित करते बसेरा ग्रुप के चेयरमैन रामकिशन अग्रवाल। साथ खड़े हैं आचार्य बनवारी लाल गौड़ और बाल योगेश्वर आनंद गिरी।

विद्याश्रम ऋषिकुलम की स्थापना के लिए बसेरा ग्रुप के चेयरमैन रामकिशन अग्रवाल और ललित अग्रवाल की सराहना की। ऋषिकुलम के छात्रों ने वेद मंत्र, गोपी गीत और बीच में स्थिति का गायन किया । धर्म गुरु कक्षा के सर्वश्रेष्ठ सम्मानित धराचार्य ने विद्यालय के संस्कारों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में बालकृष्ण शरण देवाचार्य, धर्मवीर बृजवासी, राम मूर्ति अग्निहोत्री, ओंकार आनंद सरस्वती, भानु देवाचार्य, प्रिया शरण, वेदांत आचार्य, अनिल तिवारी गुरु जी, बसेरा ग्रुप के चेयरमैन रामकिशन अग्रवाल, दान बिहारी अग्रवाल, ललित अग्रवाल, ध्रुव अग्रवाल आदि उपस्थित थे। संचालन करुणा शंकर त्रिवेदी ने किया। आचार्य बनवारी लाल गौड ने आभार जताया। चैतन्य गौड़ ने अतिथियों का अभिनंदन किया।